संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 295
पृष्ठ 8
गुरूवार
17 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इन चार तरीकों से पालक को बनाएं...   विचार- चुनाव आयोग का संवैधानिक...   खेल- भारत की हार पर आलोचनाओं की...

पीएम धन-धान्य कृषि योजना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

● हर साल खर्च होंगे 24000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह एलान किया है। सरकार ने एनएलसीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावे कैबिनेट ने एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपये की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है।

क्या है प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना?

मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर वर्ष 24,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसमें 100 जिले शामिल होंगे। केंद्रीय बजट में घोषित यह कार्यक्रम 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करेगा और फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने मदद देगा।

भंडारण और सिंचाई सुविधाओं में होगा सुधार

केंद्रीय मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी साझा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम धन–धान्य कृषि योजना से फसल के बाद भंडारण में वृद्धि होगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा और कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की संभावना है।

एनएलसी इंडिया एनआईआरएल में कर सकेगा 7000 करोड़ रुपये का निवेश

सरकार ने बुधवार को एनएलसी इंडिया को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनआईआरएल में 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की अनुमति दे दी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की ओर से लिया गया। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र

उद्यमों (सीपीएसई) पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से विशेष छूट देने को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ष्इस रणनीतिक निर्णय से एनएलसीआईएल को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में मदद मिलेगी। इसके तहत एनआईआरएल विभिन्न परियोजनाओं में सीधे या संयुक्त उद्यम का गठन कर निवेश कर सकेगी।इसके लिए पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।ष

एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में 20000 करोड़ रुपये के निवेश की मंजूरी

केंद्र सरकार ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी को 2032 तक 60 गीगावाट क्षमता हासिल करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विस्तार पर 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की अनुमति दे दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) में लिए गए निर्णय के बारे में बताया। एनटीपीसी के लिए पहले स्वीकृत निर्धारित सीमा 7,500 करोड़ रुपये थी। सरकार की ओर से बताया गया है कि एनटीपीसी और एनजीईएल को दी गई अनुमति देश में नवीकरणीय परियोजनाओं के त्वरित विकास में मदद करेगी। बयान में कहा गया है कि यह कदम बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पूरे देश में चौबीसों घंटे विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने में निवेश सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर वापसी से जुड़ा प्रस्ताव भी पारित

बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर भी एक प्रस्ताव पारित किया है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह स्पेस की दिशा में हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन) से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की वापसी पर मंत्रिमंडल ने एक बड़ा संकल्प पारित किया है। 15 जुलाई को भारत की अनंत आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अन्तरिक्ष यात्रा से सकुशल धरती पर लौटे हैं। ये समूचे देश के लिए गर्व, गौरव और उल्लास का अवसर है। आज मंत्रिमंडल, देश के साथ मिलकर, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने का अभिनंदन करता है। उन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर 18 दिन का ऐतिहासिक मिशन पूरा किया।

7-8 साल की उम्र के छह बच्चों समेत 14 लोगों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया

● दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

अहिल्यानगर, एजेंसी। बाल मजदूरी करवाना भारत में अपराध होता है लेकिन कई बार परिस्थितियां ये अपराध करने पर मजबूर कर देती है। गरीब घर के बच्चे अपने परिवार का पेट पालने के लिए बेहद कम उम्र से ही काम करना शुरू कर देते हैं और कुछ लोग मौके का फायदा उठाकर उनसे कम पैसों में खूब काम करवाते हैं और प्रताड़ित करते हैं। बंधुआ मजदूरी से जुड़ा ताजा मामला महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले सामने आया है जहां फिल्मी स्टाइल में दो बच्चें बंधुआ मजदूरी के चुंगल से भाग निकले। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले से पुलिस ने सात से आठ साल की उम्र के छह बच्चों समेत 14 लोगों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बंधुआ मजदूरी का मामला तब सामने आया जब दो बच्चे बीड जिले में दो आरोपियों के घरों से भाग निकले, जहां उन्हें और उनके माता–पिता को कथित तौर पर कठिन काम करने के लिए मजबूर किया जाता था। अहिल्यानगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित पुणे और रायगढ़ जिलों के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि बीड के अंबोरा निवासी आरोपी विजू सेठ और उत्तम सेठ पिछले डेढ़ साल से उनसे काम करा रहे थे। एक अन्य बच्चे के साथ भागे आठ वर्षीय बाल मजदूर ने पुलिस को बताया कि उनसे गोबर इकट्ठा करने, मवेशियों के बाड़े साफ करने, लकड़ी लाने और जंगल में मवेशी चराने का काम कराया जाता था। कार्यकर्ताओं के अनुसार हालांकि पीड़ितों को 12 जुलाई को मुक्त करा लिया गया था लेकिन पुलिस ने अधिकार क्षेत्र का हवाला देते हुए आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया था। राज्य स्तरीय आदिवासी विकास आढावा समिति के विवेक पंडित ने बताया कि विरोध प्रदर्शनों के बाद पुलिस ने मंगलवार रात मामला दर्ज किया जबकि राजस्व अधिकारियों ने पीड़ितों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए मुक्ति प्रमाणपत्र जारी किए।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दें, राहुल और खरगे ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर सरकार से संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए एक विधेयक लाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी

अनुसूची में शामिल करने के लिए एक विधेयक लाए। पीएम मोदी को लिखे अपने पत्र में मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने कहा कि पिछले पाँच वर्षों से जम्मू और कश्मीर के लोग लगातार पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की माँग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह माँग जायज़ होने के साथ–साथ उनके संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर भी आधारित है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी ने कहा कि यह समझना ज़रूरी है कि जहाँ अतीत में केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिए जाने के उदाहरण रहे हैं, वहीं जम्मू–कश्मीर का मामला स्वतंत्र भारत में बेमिसाल है। यह पहली बार है जब किसी पूर्ण राज्य को उसके विभाजन के बाद केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया है। पीएम मोदी को लिखे गए पत्र में कहा कि आपने स्वयं कई मौकों पर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में दिए अपने साक्षात्कार में आपने कहा थारू श्राज्य का दर्जा बहाल करना हमारा एक गंभीर वादा है और हम इस पर कायम हैं।श फिर, 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए आपने फिर से पुष्टि कीरू श्हमने संसद में कहा है कि हम इस क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेंगे।

'उदयपुर फाइल्स' के प्रदर्शन पर लगी रोक हटाने से सुप्रीम कोर्ट का फिलहाल इनकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी हिंदी फिल्म श्उदयपुर फाइल्सश पर लगी अदालती रोक हटाने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के अंतरिम रोक संबंधी आदेश में फिलहाल हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निर्देशानुसार (दिल्ली उच्च न्यायालय के) फिल्म की जांच कर सकती है और तब तक ये मामला संबंधित याचिकाओं पर कोई सुनवाई के लिए लंबित रहेगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा, "हम मामले को लंबित रखेंगे। हम उच्च न्यायालय के समक्ष भारत सरकार के दृष्टिकोण का लाभ उठा सकते हैं। मान लीजिए केंद्र कुछ गलत नहीं कहती है तो हम उसे देखेंगे। अगर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड फिल्म में कुछ कटौती करता है तो भी हम उसका अध्ययन कर सकते हैं। अगर केंद्र इस मामले को नहीं ले रहा है, तो अलग बात है। हमें बताया गया है कि समिति गठित कर दी गई है और केंद्र इस पर विचार कर रहा है... हम एक–दो दिन इंतजार कर सकते हैं।" शीर्ष अदालत ने कहा कि फिल्म से संबंधित आपत्तियों पर कोई निर्णय लेने के लिए गठित समिति को इस मुद्दे पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए।

स्वर्ण मंदिर को तीसरी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी, फर्जी आईडी से भेजा गया ई-मेल

चंड़ीगढ़, एजेंसी। पंजाब में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को पिछले कुछ दिनों में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद मंदिर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को एक फर्जी ई–मेल आईडी से मेल मिला है, जिसमें मंदिर के अंदर आरडीएक्स से भरे पाइपों से विस्फोट करने की धमकी दी गयी है। सुरक्षा कारणों से संदेश के विवरण का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बम निरोधक दस्ते और खोजी स्वानों को विस्फोटक खोजने में लगाया गया है। एसजीपीसी और अमृतसर पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो वहां तैनात हैं।

आने–जाने वालों पर निगरानी बढ़ा दी गयी है और सभी आगंतुकों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के अनुसार मंगलवार को भी केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई–मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी। आज की धमकी 'आसिफ कपूर' नाम की एक आईडी से आयी है और यह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गयी है। श्री धामी के अनुसार, 15 जुलाई को केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई–मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी। आज की धमकी 'आसिफ कपूर' नाम से एक आईडी से आयी है और यह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गयी है। अधिकारी इन धमकियों के स्रोत और उद्देश्य की जांच कर रहे हैं, जबकि एसजीपीसी ने मंदिर के आसपास सुरक्षा कड़ी करने की और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

जो व्यक्ति कांग्रेस छोड़कर भाग गया था, वह अब असम का सीएम है, हिमंत सरमा पर खरगे का तंज

गुवाहाटी, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस ने भाजपा को असम में सरकार बनाने के लिए अपना सदस्य उधार दिया था। खरगे ने राज्य की एक दिवसीय यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, जो व्यक्ति कांग्रेस छोड़कर भाग गया था, वह अब असम का मुख्यमंत्री है। बता दें कि हिमंत बिस्व सरमा 2015 में भाजपा में शामिल होने से पहले असम की कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए खरगे ने कहा, लोगों से अन्याय करने वालों को जेल भेजा जाएगा। उन्हें अब जेलों की मरम्मत करवानी चाहिए, क्योंकि उन्हें वहीं रहना होगा।

माँ गंगा ने श्री बड़े हनुमान मंदिर में किया प्रवेश, गूंजे जयकारे, बलवीर गिरि ने उतारी आरती

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार को गंगा माँ ने श्री बड़े हनुमान मंदिर में प्रवेश किया। दोपहर 2.15 बजे गंगाजी ने बजरंग बली को स्नान कराया। प्रयागराज में मंगलवार को गंगा माँ ने श्री बड़े हनुमान मंदिर में प्रवेश किया। दोपहर 2.15 बजे गंगाजी ने बजरंग बली को स्नान कराया। माँ गंगा के मंदिर में प्रवेश करने पर जयकारे गूंज उठे। महंत बलवीर गिरि ने विशेश आरती कर मां गंगा का स्वागत किया। इस अवसर पर ढोल नगाड़े गूंजते रहे। हनुमान मंदिर कॉरिडोर बनने के बाद पहली बार मां गंगा ने मंदिर में प्रवेश किया है। इसका साक्षी बनने के लि बडी संख्या मे भक्त भी मौजूद रहे। बजरंग बली, जय श्रीराम, हर हर महादेव और मां गंगा के जयकारे गूजते रहे।

हाईकोर्ट ने आजम खान मामले में अंतिम फैसले पर रोक 28 जुलाई तक बढ़ाई

प्रयागराज। सपा नेता आजम खान को बेदखली प्रकरण में इलाहाबाद हाईकोर्ट से एक और राहत मिली है। मंगलवार को न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने ट्रायल कोर्ट की ओर से आजम खान और अन्य सह–आरोपियों के खिलाफ अंतिम आदेश या फैसला देने पर लगी रोक को 28 जुलाई 2025 तक बढ़ा दिया। सपा नेता आजम खान को बेदखली प्रकरण में इलाहाबाद हाईकोर्ट से एक और राहत मिली है। मंगलवार को न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने ट्रायल कोर्ट की ओर से आजम खान और अन्य सह–आरोपियों के खिलाफ अंतिम आदेश या फैसला देने पर लगी रोक को 28 जुलाई 2025 तक बढ़ा दिया।

रामपुर के कोतवाली थाने में 2016 में यतीमखाना को ढहाने के मामले में 2019 में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आजम खां और अन्य पर जबरन बेदखली, डकैती, गृह में अनधिकृत प्रवेश और आपराधिक षड्यंत्र जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। ट्रायल कोर्ट में याची ने मांग की थी कि मुख्य गवाहों, विशेष रूप से सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जफर अहमद फारूकी की दोबारा गवाही कराई जाए और महत्वपूर्ण वीडियो फुटेज को रिकॉर्ड में लाया जाए, जो उनकी घटनास्थल पर अनुपस्थिति साबित कर सकती है। ट्रायल कोर्ट ने इस मांग को 30 मई 2025 के आदेश से खारिज कर दिया था। इसे याचियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मामले में तात्कालिक राहत देते हुए हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर लगाई गई रोक 28 जुलाई तक बढ़ा दी है। याचिका में की गई मांग के अनुसार यदि ट्रायल कोर्ट में गवाहों को दोबारा से पेश करने की इजाजत मिलती है तो आजम खां व अन्य के लिए बड़ी राहत हो सकती है।

सेवानिवृत्ति परिलाभों का तत्काल किया जाए भुगतान, अधिक वेतन भुगतान मामले में सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अगर परिलाभों का भुगतान नहीं किया गया है तो सेवानिवृत्त दरोगा श्रीकांत मिश्र को तत्काल भुगतान किया जाए। साथ ही कोर्ट ने अधिक वेतन भुगतान की हो चुकी वसूली को याचिका के फैसले की विषयवस्तु करार देते हुए राज्य को अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अगर परिलाभों का भुगतान नहीं किया गया है तो सेवानिवृत्त दरोगा श्रीकांत मिश्र को तत्काल भुगतान किया जाए। साथ ही कोर्ट ने अधिक वेतन भुगतान की हो चुकी वसूली को याचिका के फैसले की विषयवस्तु करार देते हुए राज्य को अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

कनक, अलफिशा, प्रियांशु, नदीम, आदित्य व विशू रहे अव्वल

मोरना। गांव मोरना में राघव यूथ क्लब प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे इंटरमीडिएट वर्ग में कनक, अलफिशा व वासु संयुक्त रूप से प्रथम व ईशू ,आफिया क्रमश द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे हैं। विशेष पुरस्कार श्रेणी में कशिश व सानिया का चयन हुआ जबकि हाईस्कूल वर्ग में प्रथम स्थान प्रियांशु व नदीम ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया जबकि अक्षय व नमन ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा विशेष पुरस्कार श्रेणी में हर्षित का चुनाव हुआ। स्वाभिमान शीर्ष के अंतर्गत इंटरमीडिएट के छात्र आदित्य का

चयन हुआ।। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि अतिथि भाजपा शुकतीर्थ मंडल के अध्यक्ष अरुण सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया तथा कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक दीपांशु शर्मा ने करते हुए कहा कि जीवन में परीक्षा हर क्षण व हर पल है जीत व हार का प्रश्न नहीं है बल्कि उस परीक्षा में हमारी उपस्थिति अहम होती है। मुख्य अतिथि ने कहा है कि छात्र जीवन परीक्षाओ के बिना अधूरा है इसलिए आगामी जीवन सुखमय रखे परीक्षा में निपुण होना हर छात्र को सुनिश्चित करना चाहिए। जीवन में सक्रियता व साकारात्मक विचारों के द्वारा ही सफलता सभंवः है। नेहरू युवा केन्द्र की स्वयं सेविका प्रीति पाल ने कहा कि परीक्षा में हार जीत का सिलसिला जारी रहता है इससे भयभीत होकर परीक्षा से नहीं भागना चाहिए।। क्लब के निर्देशक प्रियांशु शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया है तथा सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सादिक, कृष्णा ,वंश,मन,मानव, आर्य, रोहित, अंकित, कामरान, हिमांशु, यश आदि का सहयोग रहा।

बारिश में सड़कें बनीं तालाब, घरों में भी घुसा पानी, शहर के कई इलाके टापू में तब्दील

प्रयागराज। भारी बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में आवागमन प्रभावित रहा। बालसन चौराहा, बैरहना, हिंदू छात्रावास, जार्जटाउन, सिविल लाइंस हनुमान मंदिर, डीएसए मैदान के सामने, करबला, बाघंबरी रोड, मीरापुर, राजरूपपुर, साउथ मलाका, कीडगंज, करेली समेत शहर के बड़े इलाके में जलभराव हो गया और कई घंटे सड़कों पर घुटने तक पानी भरा रहा।

शहर में मंगलवार को हुई बारिश की वजह से मौसम तो सुहाना हो गया लेकिन जलभराव ने मुसीबत बढ़ा दी। जाफरी कॉलोनी समेत कई मोहल्लों में लोगों के घरों में पानी घुस गया। कई मार्गों के किनारे घंटों पानी भरा रहा। इससे आवागमन प्रभावित रहा। बारिश की वजह से बालसन चौराहा, बैरहना, हिंदू छात्रावास, जार्जटाउन, सिविल लाइंस हनुमान मंदिर, डीएसए मैदान के सामने, करबला, बाघंबरी रोड, मीरापुर, राजरूपपुर, साउथ मलाका, कीडगंज, करेली समेत शहर के बड़े इलाके में जलभराव हो गया और कई घंटे सड़कों पर घुटने तक पानी भरा रहा। नाला ओवरफ्लो होने से राजरूपपुर के जाफरी कॉलोनी, आनंदपुरम में लोगों के घरों में गंदा पानी घुस गया। साउथ मलाका में भी सीवर ओवरफ्लो होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई। यहां भी कई घरों में पानी घुस गया। शहर के ज्यादातर इलाकों में काफी देर तक सड़कों पर पानी भरा रहा और लोग परेशान रहे।

स्वरूप रानी अस्पताल मार्ग पर घुटनों तक भरा पानी

बारिश में महात्मा गांधी मार्ग से स्वरूप रानी अस्पताल के लिए जाने वाली सड़क पर भी घुटनों तक पानी भर गया। यह स्थित शाम तक बनी रही। इसकी वजह से मरीजों और तीमारदारों को काफी परेशानी

उठानी पड़ी। यही स्थिति हाशिमपुर रोड पर कमला नेहरू अस्पताल के सामने भी रही।

जलभराव से आवागमन प्रभावित

जीटी रोड पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय विज्ञान संकाय परिसर के सामने वाली सड़क पर देर शाम तक पानी भरा रहा। एक किनारे पर वाहनों के पहिए डूब जा रहे थे। यही स्थिति हिंदू छात्रावास के पास भी रही। डीएसए मैदान के सामने समेत कई अन्य सड़कों पर भी एक तरफ काफी पानी भर गया। इसकी वजह से आधी सड़क पर आवागमन बाधित रहा। इससे जाम भी लगा।

झूंसी की तरफ से आने वालों को हुई परेशानी

बारिश में झूंसी की तरफ से आने जाने वालों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। कांवड़ यात्रा की वजह से एक लेन वाहनों के लिए बंद है। बारिश में दूसरी लेन की डिवाइडर वाली साइड में जलभराव हो गया। मुश्किल यह कि निकासी की व्यवस्था न होने से रात तक पानी भरा रहा। सड़क पर पानी भर जाने से लोग परेशान हुए और जाम की समस्या बढ़ गई। पानी के बीच से वाहनों के गुजरने से कई राहगीरों पर बौछार पड़ने से लोगों के कपड़े भी गंदे हो गए। कई बार लोगों के बीच झड़प भी हुई।

बाघंबरी मार्ग पर पेयजल पाइपलाइन ध्वस्त, सड़क धंसी

बारिश के दौरान बाघंबरी रोड पर यूको बैंक की शाखा के पास सड़क धंस गई। साथ ही यहां पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इससे तेज गति से पानी निकलता रहा। वहीं गड्ढे में गिरने से बाइक सवार घायल हो गया। अल्लापुर के 80 फीट रोड पर दो जगह सड़क धंस गई है। अभी उन्हें ठीक नहीं किया जा सका है। अब अल्लापुर के बाघंबरी रोड पर गड्ढा हो गया है। बताया जा रहा है कि पेयजल पाइपलाइन में कई दिनों से लीकेज था और बारिश के दौरान वाहनों का दबाव बढ़ने पर मंगलवार को लीकेज बड़ा हो गया।

मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की वजह से तेज गति से पानी निकलकर सड़क पर बहने लगा। इससे गड्ढा भरने के साथ सड़क पर जलभराव हो गया। पानी भरा होने की वजह से गड्ढा दिखा नहीं और एक बाइक सवार इसकी चपेट में आकर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक बैरियर लगाकर गड्ढे को कवर कर दिया। हालांकि जलभराव और बैरियर लगने से आवागमन प्रभावित रहा।

पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से पेयजल संकट की भी आशंका बन गई है। पार्षद विनय मिश्रा, सोनू पटेल आदि ने जलकल और नगर निगम के अफसरों को इसकी सूचना दी लेकिन पाइपलाइन ठीक होने में समय लगने की बात कही जा रही है। इसके अलावा मुख्य पाइपलाइन होने की वजह से उसे ठीक करने से पहले कई ट्यूबवेल बंद करने पड़ेंगे। ऐसे में संबंधित मोहल्लों की जलापूर्ति ठप करनी पड़ेगी।

परेड मैदान की बस्ती जलमग्न

बाढ़ और बारिश में नाला ओवरफ्लो होने से परेड मैदान स्थित बस्ती के लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। बस्ती में पानी भर गया है। इसकी वजह से कई परिवारों को ठिकाना बदलना पड़ा है। इन लोगों ने ऊंचाई की तरफ झोपड़ी बना ली है।

बघाड़ा, अशोक नगर में बस्तियों तक पहुंचा पानी

बाढ़ का खतरा अब दस्तक देने लगा है। मंगलवार को यमुना के जलस्तर में जरूर कमी दर्ज की गई लेकिन गंगा उफान पर है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी का यही क्रम रहा तो बघाड़ा, नेवादा समेत कई इलाकों की बस्तियों में एक–दो दिनों में बाढ़ का पानी घुस जाएगा। इसे देखते हुए बाढ़ राहत शिविरों में जरूरी इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने से बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर में पानी भर गया है। इसके चलते श्रद्धालुओं से कुछ दिनों तक मंदिर नहीं आने की अपील की जा रही है।

पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 115 सेमी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, यमुना में भी 85 सेमी की वृद्धि दर्ज की गई। इसका नतीजा रहा कि मंगलवार शाम को फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.74 मीटर पहुंच गया। दो सेमी प्रतिघंटे की रफ्तार से जलस्तर बढ़ रहा है। ऐसे में बुधवार सुबह तक जलस्तर 82 मीटर पार होने की आशंका है। यमुना का जलस्तर भी 81.50 के पार हो गया है। राहत की बात यह जरूर है कि दिन में 12 बजे के बाद यमुना के जलस्तर में कमी दर्ज की गई। वहीं, गंगा जी दिन में करीब सवा दो बजे हनुमान मंदिर के गर्भ गृह में प्रवेश कर गईं।

दोनों पटरियों पर रिवर फ्रंट रोड डूब गई है। बघाड़ा में निचले इलाके की बस्ती तक पानी पहुंच गया है। बस्ती की सड़क पर भी गंगा का पानी हिलोरे मारते हुए पहुंचने लगा है। नेवादा में भी बस्ती के एकदम करीब तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। ऐसे में बुधवार तक बस्तियों में पानी घुसने की आशंका बन गई है। झूंसी की तरफ भी बदरा सोनौटी को जोड़ने वाली सड़क पर पानी पहुंच गया है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गांव का अन्य इलाकों से संपर्क कटने का अंदेशा बन गया है।

सात साल बाद एलटी ग्रेड शिक्षक के 7466 पदों पर होगी भर्ती, जानें कब से कर सकेंगे आवेदन

प्रयागराज। पंद्रह विषयों में एलटी ग्रेड शिक्षक के 7466 पदों में से पुरुष वर्ग के 4860, महिला वर्ग के 2525 और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के तहत 81 पद शामिल हैं। पदों की संख्या परिस्थितियों एवं आवश्यकतानुसार घट–बढ़ सकती है।

सात वर्ष के लंबे इंतजार के बाद राजकीय विद्यालयों में एलटी ग्रेड शिक्षक (सहायक अध्यापक) के 7466 पदों पर भर्ती के लिए 28 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे पहले मार्च, 2018 में पिछली भर्ती का विज्ञापन आया था।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के सचिव अशोक कुमार के अनुसार, ऑनलाइन परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने एवं ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 28 अगस्त है। आवेदन में सुधार/संशोधन और शुल्क समाधान की अंतिम तिथि चार सितंबर तय की गई है।

पंद्रह विषयों में एलटी ग्रेड शिक्षक के 7466 पदों में से पुरुष वर्ग के 4860, महिला वर्ग के 2525 और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के तहत 81 पद शामिल हैं। पदों की संख्या परिस्थितियों एवं आवश्यकतानुसार घट–बढ़ सकती है।

परीक्षा का विस्तृत विज्ञापन 28 जुलाई से आयोग की वेबसाइट https://uppsc-up-nic-in पर उपलब्ध रहेगा। इसमें ऑनलाइन आवेदन करने व शुल्क जमा करने की प्रक्रिया, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम, जाति प्रमाणपत्रों का प्रोफॉर्मा, आरक्षण व आयु में छूट के संबंध में निर्धारित महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश उपलब्ध रहेंगे।

चयन के लिए अभ्यर्थियों को एक जुलाई 2025 को 21 वर्ष की आयु अवश्य पूरी करनी चाहिए और उन्हें 40 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए। यानी उनका जन्म दो जुलाई 1985 से पूर्व और एक जुलाई 2004 के बाद का नहीं होना चाहिए।

पहली बार प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा के माध्यम से होगा चयन

एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती पहली बार प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा के माध्यम से होगी। इससे पहले आयोग ने मार्च, 2018 में इस भर्ती का विज्ञापन जारी किया था और चयन प्रक्रिया एकल परीक्षा के माध्यम से पूरी की थी, जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रकार के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए थे। एकल परीक्षा में अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर चयनितों की मेरिट बनाई गई थी। अब वस्तुनिष्ठ प्रकार की बहुविकल्पीय प्रश्न की प्रारंभिक परीक्षा अभ्यर्थियों की छंटनी के लिए होगी। इसके बाद मुख्य परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

आयोग की सलाह, ओटीआर की प्रक्रिया पूरी कर लें अभ्यर्थी

आयोग के सचिव ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की प्रक्रिया पूरी कर लें, क्योंकि ओटीआर आधारित आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। बिना ओटीआर नंबर के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

इससे पहले 10 हजार से अधिक पदों पर हुई थी भर्ती

आयोग ने पिछला विज्ञापन मार्च, 2018 में 15 विषयों में एलटी ग्रेड शिक्षक के 10768 पदों पर भर्ती के लिए जारी किया था। हालांकि, कई विषयों में अर्हता का विवाद होने के कारण इस भर्ती की चयन प्रक्रिया काफी देर से पूरी हुई।

अर्हता और आरक्षण के निर्धारण के बाद दूर हुई बाधा

एलटी ग्रेड शिक्षक के पदों पर नई भर्ती शुरू करने में समकक्ष अर्हता व आरक्षण का पेच फंसा था। अर्हता संबंधी नई नियमावली जारी होने के बाद उसमें से समकक्ष शब्द को हटा दिया गया। ऐसे में अर्हता का विवाद तो दूर हो गया, लेकिन विषयवार आरक्षण निर्धारित न होने के कारण आयोग ने पूर्व में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से भेजा गया अधियाचन वापस कर दिया था। निदेशालय की ओर से विषयवार आरक्षण का निर्धारण करने के बाद दोबारा अधियाचन भेजे जाने पर आयोग ने अब नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है।

परिजनों ने पढ़ाई के लिए डांटा तो किशोर ने लगाया फंदा

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के कसेरुआ खुर्द गांव में सोमवार की देर शाम को पढ़ाई के लिए डांटने पर किशोर आदित्य यादव ने फंदे पर लटक कर खुदकुशी कर ली। इकलौते बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मचा रहा। पुलिस ने किशोर के शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के कसेरुआ खुर्द गांव निवासी अरविंद यादव संविदा पर लाइनमैन हैं। उनका 16 वर्षीय पुत्र आदित्य यादव इंटरमीडिएट का छात्र था। पुलिस के मुताबिक सोमवार को परिजनों ने उसे पढ़ाई के लिए डांटा था। इसी से नाराज होकर सोमवार की देर शाम को आदित्य ने पंखे के चुल्ले में रस्सी का फंदा लगाकर जान दे दी। एसओ झूंसी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिजनों ने किशोर को पढ़ाई करने के डांटा था। इसी से नाराज होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया।

संगम तट पर राधा-कृष्ण मंदिर की छत टूटकर गिरी, बाल-बाल बचे पुजारी

प्रयागराज। संगम तट पर लेटे हुए हनुमान मंदिर के पास बांध पर बने राधाकृष्ण गोपाल मंदिर में श्जाको राखे साइयां, मार सके ना कोयश्श की कहावत चरित्रार्थ हुई है। दरअसल, लक्ष्मी नारायण मंदिर की तीसरी मंजिल गुरु पूर्णिमा की रात करीब 2.30 बजे गिर गई थी। संगम तट पर लेटे हुए हनुमान मंदिर के पास बांध पर बने राधाकृष्ण गोपाल मंदिर में श्जाको राखे साइयां, मार सके ना कोयश्श की कहावत चरित्रार्थ हुई है। दरअसल, लक्ष्मी नारायण मंदिर की तीसरी मंजिल गुरु पूर्णिमा की रात करीब 2.30 बजे गिर गई थी। इससे राधा कृष्ण गोपाल मंदिर की छत टूट गई। इस दौरान मंदिर के पुजारी विष्णु दास त्यागी फंस गए थे। छत टूटकर उनके ऊपर गिर गई थी, लेकिन लोहे के एंगल ने गिरी छत को रोक रखा था। ऐसे में मध्य प्रदेश से आए कुछ श्रद्धालुओं ने पैर पकड़कर उन्हें धीरे–धीरे घसीटते हुए बाहर निकाला। सभी पुजारी विष्णु दास त्यागी को बाल–बाल बचने को भगवान की कृपा मान रहे हैं।

आरआरबी लोको पायलट परीक्षा में हंगामा, झूंसी के एक केंद्र पर फिर होगी परीक्षा

प्रयागराज। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की असिस्टेंट लोको पायलट (एएलपी) भर्ती 2024 परीक्षा में मंगलवार को खूब हंगामा हुआ। एएलपी भर्ती को लेकर साइको टेस्ट देने पहुंचे अभ्यर्थियों ने कंप्यूटर बंद होने और सर्वर की समस्या को लेकर हो हल्ला किया। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की असिस्टेंट लोको पायलट (एएलपी) भर्ती 2024 परीक्षा में मंगलवार को खूब हंगामा हुआ। एएलपी भर्ती को लेकर साइको टेस्ट देने पहुंचे अभ्यर्थियों ने कंप्यूटर बंद होने और सर्वर की समस्या को लेकर हो हल्ला किया। अभ्यर्थियों के हंगामे की वजह से झूंसी स्थित सुनीता सिंह सीता सिंह महाविद्यालय में आयोजित द्वितीय पाली की परीक्षा आरआरबी प्रशासन ने रद्द करने के साथ इसे दोबारा कराने का नोटिस जारी कर दिया। सर्वर की समस्या को लेकर फाफामऊ के श्रीगणेश कॉलेज और झलवा में ज्ञानोदय टेक्निकल इंस्टीट्यूट पर भी अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया।

बताते चलें कि आरआरबी ने देश भर में एएलपी के 18,799 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसमें 847 पद आरआरबी इलाहाबाद के हैं। इस परीक्षा को लेकर सीबीटी वन (कंप्यूटर बेस्ट टेस्ट–वन) नवंबर 2024 और सीबीटू यानी मेंस परीक्षा दो व छह मई 2024 को हुई थी। सीबीटी वन में पद के

सापेक्ष 15 गुना और सीबीटी टू में पद के सापेक्ष आठ गुना अभ्यर्थी पास किए गए थे। उत्तीर्ण अभ्यर्थी साइको टेस्ट के लिए बुलाए गए। मंगलवार को आरआरबी इलाहाबाद के अधीन 6500 अभ्यर्थी साइको सीबीटी के लिए बुलाए गए।

इसी दौरान परीक्षा केंद्रों पर सर्वर की समस्या की शिकायत आने लगी। झूंसी के अंदावा स्थित सुनीता सिंह सीता सिंह महिला महाविद्यालय में पहली पाली की परीक्षा के दौरान सर्वर की समस्या से अभ्यर्थी खूब परेशान हुए। परीक्षा खत्म होने के बाद अभ्यर्थियों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ा तो आरआरबी प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। बाद में वहां द्वितीय पाली की परीक्षा रद्द कर इसे दोबारा कराए जाने की सूचना जारी कर दी गई। इसके बाद अभ्यर्थी शांत हुए। आरआरबी प्रयागराज की वेबसाइट पर भी इसकी सूचना देर शाम उपलब्ध करवा दी गई।

इसी तरह झलवा स्थित ज्ञानोदय टेक्निकल इंस्टीट्यूट में भी तकनीकी खामी से अभ्यर्थी परेशान हुए। शशांक कुमार पटेल, अजय प्रताप यादव, शिवम पटेल, श्याम कुमार पाल आदि अभ्यर्थियों ने कहा कि साइको में सबसे पहले मेमोरी टेस्ट होता है। मेमोरी स्क्रीन के दो मिनट के अंतराल के बाद स्क्रीन फ्रीज हो गई लेकिन टेस्ट स्क्रीन नहीं खुली। इसके बाद कक्ष निरीक्षक को बुलाया तो सिस्टम लॉक कर कंप्यूटर रीस्टार्ट किया गया। 10 मिनट बाद जब कंप्यूटर पर टेस्ट स्क्रीन खुली तो मेमोरी स्क्रीन आई ही नहीं। अभ्यर्थियों को सीधे उत्तर देने को कहा गया। इससे हंगामा बढ़ गया। इसके बाद तमाम अभ्यर्थी सूबेदारगंज स्थित एनसीआर मुख्यालय और आरआरबी कार्यालय भी गए। वहां प्रार्थना पत्र देकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। इस बारे में आरआरबी प्रयागराज के चेयरमैन अभिजीत सिंह से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनकी तरफ से आधिकारिक बयान नहीं आया।

कुछ केंद्रों पर कंप्यूटर लॉक होने की बात सामने आई है। इसे लेकर परीक्षा लॉग की जांच के बाद प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए केंद्रों पर दोबारा परीक्षा को लेकर निर्णय लिया जाएगा। झूंसी के एक केंद्र की परीक्षा बाद में होगी। – शशिकांत त्रिपाठी, सीपीआरओ, एनसीआर

भोपा में सेवार्थ क्लब द्वारा कांवड़ सेवा शिविर का हुआ शुभारंभ

भोपा। सेवार्थ क्लब के द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से गंग नहर पुल पर प्रतिवर्ष लगने वाले शिव कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ बुधवार को हवन–यज्ञ के बीच किया गया। जिसमें अनेक लोगों ने मंत्रोचारण के बीच आहुति प्रदान की तत्पश्चात पूर्व प्रधान मदन वालिया व प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। संयोजक अजय जैन ने बताया कि शिविर

में शिवभक्तों की सेवा के लिए भोजन, नाश्ता, चिकित्सा व विश्राम की व्यवस्था की गई है। इस दौरान पारूल शर्मा, भीष्मदास महाराज, राकेश, सचिन, प्रदीप, रिशीराज वालिया, तरूण प्रधान, अरविंद कुमार, प्रमोद शर्मा , दिनेश लाला, पंडित अंकित शर्मा आदि मौजूद रहें। शिविर में मदन वालिया ने कहा कि गंग नहर पटरी पर ग्रामीण कांवड़ियों की सेवा कर धर्म लाभ कमाएं और कांवड़ यात्रा मेला को संपन्न कराने में अपना सहयोग प्रदान करें। शिव भक्तों की सेवा करना बहुत ही पुण्य का कार्य है।

मोरना क्षेत्र से गुजरने लगे कांवड़िये, मार्गो की साफ सफाई की मांग

मोरना। जनपद मे जारी कांवड यात्रा महोत्सव को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है।जनपद को देव नगरी हरिद्वार से जोड़ने वाले मुख्य मार्गो पर शिव भोले पवित्र गंगा जल को कांवड के रूप मे लेकर गुज़र रहे। राष्ट्रीय राजमार्ग, गंगनहर

पटरी पर जहां कांवड़ियों की भारी भीड़ है वहीं मोरना– लकसर मार्ग से भी शिव भोलो का आगमन आरम्भ हो गया है। भोकरहेड़ी मार्ग से शिव भोलो का गुजरना आरम्भ हो गया है। शिव भक्त देव नगरी हरिद्वार से पवित्र गंगा जल को लेकर लकसर,खानपुर होते हुए भोकरहेड़ी तथा मोरना क्षेत्र से गुज़रते हैं। बुधवार को क्षेत्र से गुज़रने वाले शिव भोले मनोज कुमार,शिव कुमार,अक्षय भोले ने बताया की वह रामराज क्षेत्र के सेफपुर फिरोजपुर स्थित प्रसिद्ध महादेव मंदिर के लिए प्रस्थान कर रहे हैं। क्षेत्र मे कांवड यात्रा शुरू होने पर क्षेत्रवासियो ने मार्गो के आस पास फैली गंदगी को साफ कराने की मांग की है।

रोटरी क्लब मुज़फ्फरनगर (शिखर) द्वारा किया गया डॉ. असजद जमील का सम्मान

मुज़फ्फरनगर के सुप्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ असजद जमील का रोटरी क्लब मुज़फ्फरनगर (शिखर)द्वारा किया गया। मुज़फ्फरनगर के अंसारी रोड पर जमील नर्सिंग होम के ऑनर डॉ असजद जमील विगत 17 वर्षों से मात्र 10 रुपये की

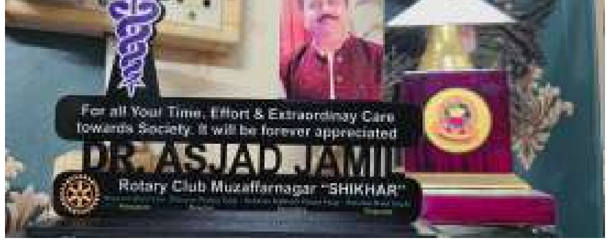

फीस पर ही रोजाना सैकड़ो मरीजो को देखते है जबकि इस समय सरकारी हॉस्पिटल में भी फीस 10 ध है ऐसे में गरीबो के मसीहा के रूप में जाने जाने वाले हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ असजद जमील को उनकी समाज सेवा को देखते हुए। रोटरी क्लब मुज़फ्फरनगर (शिखर)द्वारा का सम्मान किया गया। वास्तव में व्यावसायिक दौर में मात्र 10ध की फीस लेकर मरीजो को देखना साथ ही उनका उपचार करना उनको ठीक करना वही कहावत चिरतार्थ करती है कि डॉक्टर धरती का भगवान है।

गृह क्लेश के चलते युवती ने ज़हर खाकर दी जान

गांव नन्हेड़ी मे छोटे भाई से नाराज हुई युवती द्वारा ज़हरीले पदार्थ का सेवन कर लिया गया। जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नन्हेड़ी मे अनुसूचित जाति के मोहनलाल का परिवार मजदूरी करता है। मंगलवार की शाम मोहनलाल की 19 वर्षीय पुत्री खुशी ने सल्फास जैसे किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया आनन फानन मे खुशी को मुज़फ्फरनगर के प्राईवेट अस्पताल मे ले जाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी की व पंचनामा लिखकर शव को पोस्ट मार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया, खुशी की मौत से परिवार मे मातम छा गया है। मृतका के पिता

मोहनलाल,माता सविता भाई मोनू व लाला तथा शादीशुदा बहन मोंटी का रोरोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी निरिक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया की नन्हेड़ी गांव मे युवती की आत्म हत्या करने का मामला संज्ञान मे आया है। मृतका के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका का छोटा भाई 12 वर्षीय लाला बीड़ी पी रहा था। खुशी द्वारा इसी बात को लेकर दोनों भाई बहन मे कोई कहासुनी हुई जिससे नाराज होकर खुशी ने जहर का सेवन कर लिया। वहीं ग्राम प्रधान शान मोहम्मद ने बताया की मोहनलाल का परिवार बेहद गरीब है। चार माह पूर्व घर मे लगी आग मे पशु जल गये थे। जिसके बाद परिवार भारी अवसाद से गुज़र रहा है। मोनू जो की मनोरोगी है। वहीं खुशी भी परिवार की परेशानियों से चिंतित थी।

नि:शुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

ताडेपल्लीगुडेम – पश्चिम गोदावरी जिला – ताडेपल्लीगुडेम – पेंटापाडु मंडल ग्राम पंचायत कार्यालय में एएसआर होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल तथा उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट, पिठापुरम के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने कहा कि एएसआर होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना को 5 वर्ष हो चुके हैं, एनटीआर हेल्थ यूनिवर्सिटी, विजयवाड़ा ने उन्हें आवेदन दिया है और उन्हें भारत के आयुष मंत्रालय और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के अनुरूप, सामाजिक सेवाओं, चिकित्सा सेवाओं, सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों और अन्य सामाजिक

कार्यक्रमों के आयोजन हेतु उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट, पिठापुरम के साथ पिछले दो वर्षों से परस्पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे, और इस समझौते को अगले दो वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने नई दिल्ली स्थित केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के साथ एक पाँच वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, और इसके तहत, वे पहले छह महीने तक आसपास के क्षेत्र में बीमारियों का निरीक्षण करेंगे, फिर उनकी बारीकियों की जाँच करेंगे, होम्योपैथिक अनुसंधान करेंगे और उनके बेहतर समाधान खोजने के लिए एक योजना तैयार करेंगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में और अधिक चिकित्सा शिविर, सामाजिक सेवा गतिविधियाँ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। – पश्चिम गोदावरी जिला – ताडेपल्लीगुडेम – पेंटापाडु मंडल, पेंटापाडु ग्राम पंचायत कार्यालय, प्रथिपाडु में आयोजित किए जाएंगें।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में और अधिक चिकित्सा शिविर, सामाजिक सेवा गतिविधियाँ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

महासंघ के निष्ठावान सभी पदाधिकारियों को यथासमय सम्मान अवश्य मिलेगाः डॉ. उपाध्याय

संगठन व परिवार में स्वार्थ और उपेक्षा कभी भी प्रतिफलित नहीं होती

प्रयागराज। 'देश भर के मान्य सम्पादकों पत्रकारों और साहित्यकारों के सम्मान सुरक्षा व शक्ति के लिए कृतसंकल्पित संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सभी निष्ठावान पदाधिकारियों के प्रोत्साहन और सम्मान के लिए महासंघ सदैव तत्पर रहते हुए उनको प्रोन्नत अवश्य करता है द्य किसी भी परिवार एवं संगठन में उपेक्षा का भाव रखना और केवल निहित स्वार्थ के लिए बने रहना प्रतिफलित नहीं होता द्य'

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने गत छह महीने में संगठन के पदाधिकारियों की सक्रियता की समीक्षा बैठक में उपरोक्त उद्गार व्यक्त किया द्य डॉ उपाध्याय ने कहा कि संगठन के उन सभी सदस्यों व पदाधिकारियों को अवश्य ही उनकी निष्ठा का प्रतिफल देर सबेर मिलेगा जो केवल पद और परिचय पत्र के लिए नहीं अपितु संगठन के प्रति समर्पित भाव से जुड़े हुए हैं द्य अब महासंघ ऐसे लोगों के बारे में गंभीर रूप से उनके पद पर बने रहने के लिए विचार करेगा जो अपने ही तहसील जिले और संभाग के आयोजनों में नहीं जाते किन्तु

अपने पद पर जैसे तैसे बने रहना चाहते हैं द्य भविष्य में निष्क्रिय पदाधिकारियों के लिए संगठन में कोई जगह नहीं होगी जो अपने ही जिले और मण्डल में कोई बैठक या आयोजन की उपेक्षा करते हैं द्य बैठक में देश दर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रदीप सिंह ने विगत छह महीने में किसी भी बैठक या सम्मेलन में उपस्थित नहीं होने वाले प्रान्तीय और राष्ट्रीय पदाधिकारियों को आगामी कार्यकारिणी से पदमुक्त करने के विगत दिनों आए प्रस्ताव पर विचार करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि विगत छ महीने में उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों सहित छत्तीसगढ़ में रायपुर और मध्य प्रदेश में रीवाँ और मैहर में बिहार में मधुबनी में जो भी पदाधिकारी नहीं आए उनके पद पर बने रहने की समीक्षा हो रही है और ऐसे लोग भी चिन्हित किए गए हैं जो अपने ही जिले और मण्डल में अनुपस्थित रहे हैं द्य उन पदाधिकारियों के बारे में भी विचार किया जा रहा है जो विगत छ महीने में न तो एक भी सदस्य बना पाए और न तो अपनी इकाई का शपथ ग्रहण समारोह ही करा पाए।

लोकपाल समाज शेखर ने बाबागंज ब्लाक के डीह बलई ग्रामपंचायत की अंतिम सुनवाई की

शिकायत कर्ता व ब्लाक व ग्राम पंचायत के जिम्मेदार प्रतिनिधियों से लिया उनका पक्ष शुक्रवार तक अपेक्षित आवश्यक दस्तावेज व आख्या प्रस्तुत करने हेतु दिया समय

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने शुक्रवार को देर शाम तक विकास भवन स्थित लोकपाल कार्यालय व परियोजना निदेशक के कार्यालय में बाबा गंज ब्लाक के डीह बलई ग्राम पंचायत के शिकायत की अंतिम सुनवाई की । लोकपाल ने शिकायत कर्ता व ब्लाक व ग्राम पंचायत के जिम्मेदार प्रतिनिधियों से उनका पक्ष प्राप्त किया। सभी की मांग पर शुक्रवार तक अपेक्षित आवश्यक दस्तावेज व आख्या प्रस्तुत करने हेतु समय लोकपाल ने स्वीकृत किया।

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने विकास खंड व ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियो को सुना और आवश्यक आख्या व दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु 18 जुलाई तक प्रस्तुत करने का निर्देश संबंधित बाबागंज ब्लाक

के कार्यक्रम अधिकारी व खंड विकास अधिकारी को दिया। वहीं प्रथम पाली में शिकायतकर्ता कोमल मिश्र को सुना गया और उनके द्वारा दिये गए साक्ष्यों को फाइल में जोड़ा गया। उनके साथ आये प्रेम चंद्र पासी ने अपना बयान दर्ज कराया। अभी अपेक्षित अभिलेख उपलब्ध न करा पाने का कारण ग्राम पंचायत कर्मी नही बता सके। 2 दिन के और समय माँगकी गई लोकपाल ने कहा 18 जुलाई तक सभी अपेक्षित अभिलेख प्रस्तुत करें। परियोजना निदेशक प्रभारी अधिकारी मनरेगा डी आर यादव ने विकास खंड बाबागंज व ग्राम पंचायत डीह बलई के प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी व तकनीकी सहायक को स्पष्ट निर्देश दिया कि अपेक्षित सहयोग प्रदान कर परिवाद तथा इस समस्या के समाधान में अपना योगदान दें।

मंत्री कपिल देव और जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी ने किया कांवड़ शिविर का शुभारम्भ

मुजफ्फरनगर। आज खतौली में जिला प्रशासन मुजफ्फरनगर और नगर पालिका खतौली द्वारा लगाये गये कावड़ सेवा शिविर का शुभारम्भ कर मंत्री कपिल देव ने भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री कपिल देव ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर साफ–सफाई चिकित्सा पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, कांवड़ियों को किसी भी प्रकार कि असुविधा न हो।

यह सेवा शिविर शिवभक्तों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया है, जिसमें जलपान, प्राथमिक चिकित्सा और विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। यशस्वी मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट निर्देश है कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुधीर सैनी जी, राजू अहलावत जी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष खतौली, नगर पालिका खतौली के सभासद व जिला प्रशासन की टीम भी शिव भक्तों की सेवा में तत्पर दिखाई दी। मंत्री कपिल देव ने कहा हर तरफ शिव ही शिव विराजमान है। भगवान शिव के जयकारों से मेरा भी रोम रोम पुलकित हो रहा है। मंत्री कपिल देव ने सभी शिव भक्त आयोजकों सेवा में लगे बंधुओं को इस पुण्यकार्य के लिए बहुत–बहुत बधाई व शुभकामनाएं दी ।

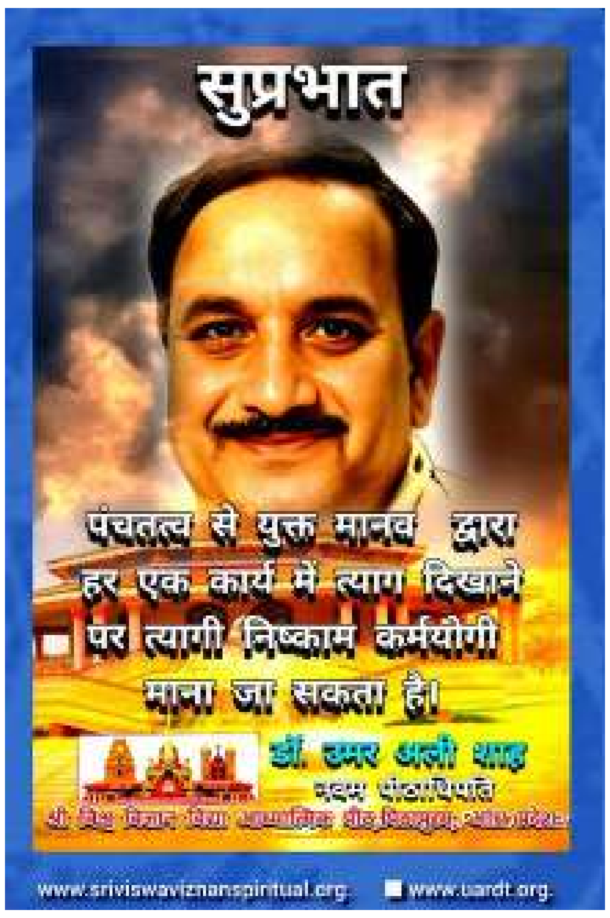

सिन्धु आम

(कुण्डलिया)

रत्ना अरु हापुस हुए, जब दो से वे एक।
'सिन्धु आम' प्रकटे तभी, काम हुआ अति नेक।
काम हुआ अति नेक, गा रहा भागलपुर है।
रंग गुलाबी देख, सभी का अपना सुर है।
सुन लो कहें प्रदीप, पिता से आगे रहना।
सबके दिल को जीत, सिखाती है माँ रत्ना।।

शुगर मरीजो के लिए, 'सिन्धु आम' वरदान।
कम मीठा गूदा अधिक, सबका रखता ध्यान।
सबका रखता ध्यान,नदारद रहती गुठली।
पतला छिलका लाल, सुगन्धित काया जिसकी।
सुन लो कहें प्रदीप, पौध इसका ले आओ।
गुण के ही अनुसार,लगाओ शुगर मरीजो।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शहर समता विचार मंच द्वारा सावन के पुनीत अवसर पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ काव्यगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित सावन माह के उपलक्ष्य में महिला काव्यगोष्ठी का आयोजन गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच के सचिव उमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि रचना सक्सेना, विशिष्ट अतिथि मीरा सिन्हा एवं डा. साधना शुक्ला। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रचना सक्सेना (जबलपुर) ने दी। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा

प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में आशा जाकड़ इंदौर, ऋतु बाला रस्तोगी, डा. शशि जायसवाल प्रयागराज, मंजू लता नागेश, पूनम पांडे, प्रो. पूनम चौहान, संगीता वर्मानी, अनुराधा गर्ग, अनामिका तिवारी, मल्लिका, कल्पना श्रीवास्तव आदि बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

सी.एम.पी. महाविद्यालय द्वारा अशोक, अमलतास एवं फालदार पौधे लगाए गये

प्रयागराज। 16 जुलाई को महाविद्यालय के ग्रीन कैंपस कमिटी के तत्वाधान में सभी विभागो द्वारा एक ही दिन में सत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करते हुए सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज परिसर में अमलतास,अशोक, आम,अमरुद के पौधे लगाए गये स प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने उत्तर प्रदेश में वन महोत्सव के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के बारे में अवगत कराया स इसी लक्ष्य में सहभागिता करते हुए अध्यक्ष शासी निकाय केपी ट्रस्ट माननीय चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह एवं कोषाध्यक्ष श्री बी एस लाल जी के द्वारा पौधा रोपण तथा ग्रीन कैंपस कमेटी की संयोजिका प्रो. अर्चना पाण्डेय जी के द्वारा इनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया तथा वनस्पति विज्ञान की डॉ मीना

राय द्वारा पौधों के संरक्षण के लिए ट्री गार्ड मुहैया कराया गया स इस अवसर पर महाविद्यालय की उपप्राचार्य प्रो. नीता सिन्हा, वरिष्ठ प्रो. सरोज सिंह, प्रो. अर्चना श्रीवास्तव, प्रो. मंजू श्रीवास्तव, प्रो. आभा पाण्डेय, प्रो.एस० पी० सिंह, प्रो. अमिता पाण्डेय, प्रो. भावना चौहान, प्रो. संजय सिंह, प्रो. सरिता श्रीवास्तव, प्रो. संगीता, डॉ दीपक गोंड, डॉ अलोक सिंह, डॉ कृति राय डॉ. सोनल खरे,डॉ पूजा गोंड एवं कॉलेज के एन एस एस एवं एन सी सी के कार्यक्रम अधिकारी एवं कॉलेज के छात्र एवं छात्राये मौजूद रहे।

सम्पादकीय.......

मातृभाषा से आशा

भले ही जनाधार खोते राजनेता नई शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हों, लेकिन इस दिशा में किए गए नये प्रयोग आशा की नई किरण भी जगा रहे हैं। यह निर्विवाद सत्य है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में जितनी आसानी और सहजता से सीख सकता है, उतना किसी थोपी गई भाषा में नहीं। तमाम शिक्षाविद् और भाषाविज्ञानी मानते रहे हैं कि दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों व परिवेशगत ज्ञान विद्यार्थियों को जल्दी सीखने में मददगार हो सकता है। देश में 121 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। वहीं मातृभाषाओं की संख्या सोलह से अधिक है। इतनी अधिक भाषायी विविधता वाले देश में, जब बच्चे अपने आसपास जो देखते और महसूस करते हैं, वो उनकी स्मृतियों में स्थायी बस जाते हैं। जब ये बातें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनती हैं, तो वे इसका आसानी से अंगीकार कर लेते हैं। कई शिक्षा आयोगों ने भी इसी बात की वकालत की है। इसी सोच के चलते देश के विभिन्न भागों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर कई प्रयोग हो रहे हैं। इस रचनात्मक पहल के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिसके निष्कर्ष बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई करने से बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है। इससे साक्षरता की दर में सकारात्मक बदलाव आया है। इतना ही नहीं इससे जहां छात्र–छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, वहीं उनकी कक्षा में सहभागिता भी बढ़ी है। सही मायनों में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फॉर्मूले का मकसद भी यही रहा है। विगत के अनुभव बताते हैं कि जब छात्र–छात्राओं को उनकी मातृभाषा से इतर अन्य भाषा में पढ़ाया जाता रहा है तो इसका असर उनकी सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। ऐसे में दूर–दराज के गांव–देहात या आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थी अन्य शहरी बच्चों का मुकाबले करने में असफल हो जाते हैं। जिससे उनके स्कूल छोड़ने के प्रतिशत में भी वृद्धि होती है। मौजूदा स्थितियों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर किए जा रहे नये प्रयोग नई उम्मीद जगा रहे हैं। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउडेंशन ने छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा के 13 जिलों में बच्चों को उनकी राज्यभाषा और अंग्रेजी के साथ–साथ मातृभाषा में पढ़ाने के लिये राज्य सरकारों के साथ मिलकर बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया। इससे न केवल चयनित जिलों में बच्चों की साक्षरता दर में सुधार हुआ, बल्कि उनमें अन्य भाषा को सीखने की अभिरुचि भी बढ़ी है। एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय भाषा, सांस्कृतिक परंपराओं व परंपरागता ज्ञान को शामिल करने के लिये स्थानीय समुदायों की मदद भी ली गई। जिसमें स्थानीय परिवेश में उपजी लोककथाओं, स्थानीय संस्कृति आधारित कहानियां तथा कई पीढ़ियों से हासिल पारंपरिक ज्ञान को भी शामिल किया गया। बच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी रहे, इसके लिये रचनाधर्मिता का सहारा भी लिया गया। जिसमें मौखिक शिक्षा प्रणाली का भी उपयोग किया गया। ऐसी शिक्षण सामग्री तैयार की गई जिससे बच्चे आसानी व रुचि के साथ आसानी से सीख सकें। मसलन कविता पोस्टर, कहानी के पात्रों के चित्र, वार्तालाप दर्शाने वाले चार्ट, शब्द कार्ड, वर्ण मात्रा कार्ड तथा चित्रों के जरिये कहानी बताने वाली किताबें इसमें शामिल की गईं। जिसने छात्रों में शिक्षा के प्रति रुचि जगायी और वे आसानी से सीखने लगे। उदाहरण के लिये छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में जहां पचास फीसदी बच्चे हल्बी बोलते थे, वहां हिंदी में पढ़ाई करने से शिक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ रहे थे। इस क्षेत्र में प्रारंभिक कक्षाओं में हल्बी को हिंदी के साथ जोड़कर पढ़ाया गया। इस शैक्षिक कार्यक्रम के क्रियान्वित करने के बाद सर्वे में यह सामने आया कि बस्तर में औसतन साक्षरता की दर में इकतीस फीसदी की, संख्या ज्ञान में पच्चीस फीसदी और वर्ण–अक्षर पहचान में छब्बीस फीसदी का सुधार हुआ। इसके अलावा मौखिक पाठन में चौदह फीसदी का सुधार आया। निश्चित रूप से इस अभिनव पहल ने देश को संदेश दिया कि मातृभाषा में शिक्षण से साक्षरता व शिक्षा की गुणवत्ता में आशातीत बदलाव लाया जा सकता है।

चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार सर्वव्यापी नहीं

के. रवींद्रन

पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से न्यायालय का इनकार पहली नजर में आयोग की पहल का समर्थन प्रतीत हो सकता है, लेकिन निर्णय का अंतर्निहित स्वर और सार एक खाली चेक से कहीं अधिक है।

बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सर्वोच्च न्यायालय के रुख से सबसे महत्वपूर्ण सीख यह है कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का संवैधानिक अधिकार तो है, लेकिन उसे अनियंत्रित विवेकाधिकार से कार्य करने का अधिकार नहीं है। पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से न्यायालय का इनकार पहली नजर में आयोग की पहल का समर्थन प्रतीत हो सकता है, लेकिन निर्णय का अंतर्निहित स्वर और सार एक खाली चेक से कहीं अधिक है। इसके विपरीत, न्यायालय ने मनमानी के विरुद्ध एक सख्त चेतावनी जारी की है, जिसमें आयोग को याद दिलाया गया है कि संवैधानिक स्वायत्तता का अर्थ उसकी मनमानी की संवैधानिक सुरक्षा नहीं है। यह घटनाक्रम इस बढ़ती धारणा के आलोक में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि हाल के वर्षों में चुनाव आयोग अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों में भटक गया है। बिहार मामले में, मतदाता सूची के संशोधन को नागरिकता के सवालों से जोड़ने के आयोग के प्रयास पर अदालत ने कड़ी फटकार लगायी। पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि नागरिकता का निर्धारण चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। यह दावा करके, अदालत ने न केवल बिहार की इस प्रक्रिया पर कानूनी अंकुश लगाया, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी अधिकारियों की बढ़ती दखलंदाजी के बारे में एक बड़ा और अधिक गंभीर सवाल भी उठाया। यह निर्णय उस व्यापक राजनीतिक और संस्थागत संदर्भ को देखते हुए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जिसमें यह उभरा है। चुनाव आयोग को कई क्षेत्रों से, खासकर विपक्ष से, बढ़ती आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इसे कार्यपालिका के एजेंडे के साथ इसके बढ़ते तालमेल के रूप में देखा जा रहा है। इस आलोचना के केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को लेकर चल रहा विवाद है, जिसमें वरिष्ठ विपक्षी नेता राहुल गांधी उनकी विश्वसनीयता और आयोग की निष्पक्षता, दोनों पर सवाल उठाने वाली सबसे लगातार आवाज बन गये हैं। उनके आरोप लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास के क्षरण के व्यापक विषय को छूते रहे हैं, जहां चुनाव आयोग का महत्वपूर्ण स्थान है। इन चिंताओं को उठाकर, गांधी केवल एक राजनीतिक अभियान ही नहीं चला रहे हैं, बल्कि भारत के प्रमुख संवैधानिक निकायों में से एक में विश्वास के संकट की ओर भी ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। बिहार प्रकरण को केवल एक राज्य–स्तरीय विवाद से कहीं अधिक माना जा रहा है जिसकी प्रकृति इसका प्रयोग अन्यत्र व्यापक उपयोग है, जो सवालों के घेरे में आ गयी है। मतदाता सूची में संशोधन करने की चुनाव आयोग की शक्ति सर्वविदित है। हालांकि, समस्या तब उत्पन्न होती है जब ऐसा लगता है कि इस तरह के संशोधन का आधार प्रशासनिक आवश्यकता से नहीं, बल्कि अस्पष्ट मानदंडों या संदिग्ध उद्देश्यों से उत्पन्न होता है। बिहार में, एसआईआर प्रक्रिया ने अपने समय, कार्यान्वयन के तरीके और इसके संभावित जनसांख्यिकीय निहितार्थों के कारण लोगों को चौंका दिया। यह तथ्य कि आयोग ने मतदाता सूची प्रबंधन को नागरिकता सत्यापन के साथ मिलाने का प्रयास किया, एक ऐसे इरादे की ओर इशारा करता है जो उसके संवैधानिक अधिकार क्षेत्र से परे था। इस कारण सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और एक सीमा निर्धारित करनी पड़ी। यह दर्शाता है कि अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाये तो संस्थागत अतिक्रमण कितनी आसानी से सामान्य हो सकता है। विपक्ष को एक होकर लड़ना होगा केंद्र सरकार द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के संदर्भ में ये चिंताएं और भी गंभीर हो जाती हैं। यह एक व्यापक सुधार है जिसका उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराना है। पहली नजर में, यह विचार दक्षता और लागत–प्रभावशीलता का वायदा करता है। हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि इससे पहले से ही नाजुक शक्ति संतुलन केंद्र सरकार के पक्ष में झुकने का खतरा है। इन चुनावों को कराने का मुख्य तंत्र, निश्चित रूप से, चुनाव आयोग ही होगा। इसलिए, एक समन्वित चुनावी कैलेंडर के चश्मे से देखने पर आयोग की निष्पक्षता पर कोई भी संदेह और भी गहरा हो जाता है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने मूलतरू इस बात पर जोर दिया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव मॉडल, गलत परिस्थितियों में, चुनाव आयोग को न्यूनतम जवाबदेही वाली एक अर्ध–संप्रभु संस्था में बदल सकता है। इसलिए, बिहार का मामला सिर्फ एक राज्य या एक चुनाव का मामला नहीं है। यह एक व्यापक प्रवृत्ति का प्रतीक हैकृ प्रशासनिक सुव्यवस्थितीकरण की आड़ में, अति–केंद्रीकरण की ओर एक संस्थागत झुकाव। न्यायपालिका का हस्तक्षेप ठीक इसी प्रवृत्ति को रोकने का प्रयास करता है। यह स्पष्ट करके कि चुनाव आयोग को अपने संवैधानिक रूप से परिभाषित दायरे में ही रहना चाहिए, सर्वोच्च न्यायालय स्वायत्तता और जवाबदेही के बीच संतुलन को फिर से स्थापित करने का भी प्रयास कर रहा है। आयोग स्वायत्त हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह जांच से परे है। बल्कि, उसकी स्वायत्तता का उद्देश्य उसे राजनीतिक हस्तक्षेप से बचाना है, न कि उसे संवैधानिक अनुशासन से मुक्त करना। दूसरे स्तर पर, इस न्यायिक क्षण को भारत के लोकतांत्रिक लचीलेपन में एक शांत विश्वास मत के रूप में भी देखा जा सकता है।

अब मतदाता सूचियों में विदेशी नामों का हौवा

राजेंद्र शर्मा

जिसकी आशंका थी, बिहार में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के पीछे के असली खेल का पर्दे के पीछे से झांकना शुरू हो गया है। यह शुरूआत हुई है इसके दावों के साथ कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के क्रम में घर–घर जाने से मिल रही जानकारियों से पता चला है कि मतदाता सूची में बड़ी संख्या में नेपाली, बंगलादेशी और म्यांमार के लोगों के नाम हैं। बेशक, अभी तक ये कथित जानकारियां, चुनाव आयोग में मौजूद सूत्रों से आ रही जानकारियों के तौर पर ही मीडिया में आयी हैं। चुनाव आयोग ने खुद औपचारिक रूप से न तो ऐसा कोई बयान दिया है और न ऐसा कोई दावा किया है। बहरहाल, ये खबरें जितने बड़े पैमाने पर और वास्तव में जिस तरह हर जगह ही मीडिया में आयी हैं, उससे साफ है कि यह दबी–छुपी जानकारी का मामला नहीं है, जिसे किन्हीं इक्का–दुक्का सूत्रों ने उजागर कर दिया हो और इस या उस मीडिया संस्थान के हाथ लग गयी हों। इसके विपरीत, यह सूत्रों के नाम पर खुद चुनाव आयोग द्वारा बड़े पैमाने पर खबर प्लांट किए जाने का मामला है। यह किसी से छुपा नहीं है कि मोदी राज की अपारदर्शिता की आम कार्य संस्कृति में रच–बसकर चुनाव आयोग ने भी अपनी स्वतंत्र भूमिका के अधिकतम पारदर्शिता के तकाजों को भुलाकर, मीडिया के जरिए जनता से और स्वयं सीधे राजनीतिक पार्टियों के साथ भी संवाद कम से कम कर दिया है। मोदी राज की तरह अब चुनाव आयोग भी संवाददाता सम्मेलन और चुनाव प्रक्रिया की मुख्य हितधारक, राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठकें कम से कम करता है और ज्यादा से ज्यादा सूत्रों के नाम पर खबरें प्लांट करने का सहारा लेता है। यही बड़ी संख्या में विदेशियों के नाम मतदाता सूचियों में होने के प्रचार के मामले में हो रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि यह एक जन–धारणा बनाने का और उसका अधिकतम प्रचार करने का ही खेल है। इस खेल में इस तरह का सूत्रों के नाम पर किया जाने वाला प्रचार, खासतौर पर मददगार होता है, जिसे विश्वसनीय बनाने के लिए जिस संस्था के नाम पर इस्तेमाल किया जाता है, उस संस्था को मंडन या खंडन में से कुछ भी करने की जरूरत ही नहीं होती है और इस तरह वास्तव में वह मौन स्वीकृति से इस धारणा के बनने में मदद ही कर रही होती है। यह मदद महत्वपूर्ण रूप से इस अर्थ में भी की जा रही होती है कि इस खबर, जिसे वास्तव में अफवाह ही कहना चाहिए, की जांच के लिए सवालों के जवाब देने के लिए, उसकी जिम्मेदारी लेने वाला कोई होता ही नहीं है। मिसाल के तौर पर शमतदाता सूची में बड़ी संख्या में विदेशियों के नामश होने की इस धारणा के सिलसिले में, जिसको सत्ताधारी संघ–भाजपा से जुड़ा पूरा का पूरा प्रचार सिस्टम जोर–शोर से फैलाने में लगा हुआ है, न तो इसका कहीं कोई जवाब मिलेगा कि ये शबड़ी संख्याश आखिरकार है कितनी और न ही इसका कोई जवाब मिलेगा कि घर–घर जाने के क्रम में अधिकारियों को यह जानकारी मिली कैसे? कथित रूप से घर–घर गए, निचले दर्जे के अधिकारियों ने, जिनमें ज्यादातर बीएलओ की भूमिका अदा कर रहे स्कूल अध्यापक ही हैं, कैसे जाना, किस तरह की जांच के जरिए जाना कि मतदाता सूची में शामिल अनेक नाम, वास्तव में विदेशियों के हैं? दूसरी ओर, सूत्रों के नाम पर फैलायी जा रही इन अफवाहों में आयोग के नाम पर ही यह अफवाह और जोड़ दी गयी है कि इन नामों को पक्की मतदाता सूची में से हटा दिया जाएगा। कैसे? इस सवाल का भी कोई जवाब नहीं है, हालांकि गोल–मोल तरीके से यह जरूर कहा जा रहा है कि जांच के बाद नामों को हटा दिया जाएगा। लेकिन, जैसा कि बिहार में जारी पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में दी गयी कानूनी चुनौतियों में बलपूर्वक रेखांकित किया गया है और अदालत भी जिससे सहमत नजर आयी है, नागरिकता की जांच करना चुनाव आयोग के दायरे में आता ही नहीं है। ऐसे में आयोग किसी भी रूप में नागरिकता की जांच को, मतदाताओं के नाम सूची में जोड़ने, हटाने का आधार बना ही नहीं सकता है। लेकिन, उद्देश्य उतना नाम हटाना नहीं है, जितना विदेशी घुसपैठ का हौवा खड़ा करना है। इस खेल के दो मकसद तो आसानी से पहचाने भी जा सकते हैं। पहला तो यही कि जिस बात की शुरू से ही आशंका जतायी जा रही थी कि, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की इस पूरी प्रक्रिया का ही मकसद मतदाता सूचियों की साफ–सफाई के नाम पर, इन सूचियों से वैध मतदाताओं की उल्लेखनीय संख्या को बाहर करना है, उसका इस तरह से औचित्य सिद्घ किया जा रहा होगा। और चूंकि इस पुनरीक्षण की पद्घति को इस तरह से ढाला गया कि यह ग्रामीण व शहरी गरीबों पर, कमजोर तबकों, जाति के लोगों पर, कम पढ़े–लिखे लोगों पर, अल्पसंक्चयकों और महिलाओं पर ही सबसे ज्यादा चोट करेगी, जबकि संपन्न, शिक्षित, सवर्ण पर सबसे कम चोट करेगी, मतदाता सूचियों की यह शसफाईश, वस्तुगत रूप से सत्तापक्ष की मदद करेगी, जिसे वंचितों का अपेक्षाकृत कम और अधिकार–संपन्नों का अपेक्षाकृत अधिक समर्थन हासिल है। चुनाव आयोग की इस सब में इसलिए भी अतिरिक्त दिलचस्पी हो सकती है कि इस प्रक्रिया के अंत में उल्लेखनीय संख्या में मतदाताओं की छंटनी को, जो इस प्रक्रिया में ही निहित है, विदेशियों की छंटनी के नाम पर न सिर्फ उचित ठहराया जा रहा होगा बल्कि आयोग मतदाता सूची पुनरीक्षण की अपनी पद्घति की खामियों का जवाब देने के बजाय, इतने नामों का छांटा जाना जिसका साक्ष्य है, कथित रूप से विदेशियों से देश की जनतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए अपनी पीठ भी ठोक सकेगा। याद रहे कि मतदाता सूची में विदेशी नामों की खबरों ने खासतौर पर तब जोर पकड़ा है, जब मुख्यधारा के मीडिया के सरकार की ही तरह चुनाव आयोग का भी भोंपू बनने के बावजूद, कई साहसी स्वतंत्र पत्रकारों ने किसी भी तरह तय समय सीमा में इस नामुमकिन पुनरीक्षण को मुमकिन कर दिखाने की हड़बड़ी में, चुनाव आयोग द्वारा जमीनी स्तर पर अपने ही बनाए तमाम नियम कायदों को उठाकर ताक पर ही रख देने की सच्चाई को उजागर कर दिया है। यह मतदाता सूचियों में भारी धांधली और मनमानी की स्थितियां बनाता है। इस तरह ध्यान बंटाने के हथकंडों के जरिए सवालों से बचना तो, वर्तमान शासकीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा ही बन चुका है। विपक्ष को एक होकर लड़ना होगा दूसरा मकसद, और भी सीधा है। विदेशी घुसपैठ के खतरे का हौवा खड़ा करना, वर्तमान सत्ताधारियों के तरकश का एक प्रमुख तीर है। इस तीर की प्रमुखता का एक बड़ा आधार यह है कि विदेशी को आसानी से मुस्लिम का पर्याय बनाया जा सकता है और इस तरह विदेशी घुसपैठ के खतरे को आसानी से मुस्लिमविरोध का हथियार बनाया जा सकता है। मोदी निजाम के 11 साल में ही और खासतौर पर 2024 के आम चुनाव के समय से ही, मुस्लिमविरोधी प्रचार में जो विशेष तेजी आयी है, उसमें आम चुनाव के नतीजों के बाद से वर्तमान सत्ताधारी ताकतें, मुस्लिम घुसपैठियों के हौवे को खासतौर पर हवा दे रही हैं। झारखंड के विधानसभाई चुनावों में तो बंगलादेशी घुसपैठ का मुद्दा उछालने की प्रधानमंत्री के स्तर तक से, हरसंभव कोशिश की गयी थी, हालांकि झारखंड की जनता ने इसे खारिज कर दिया। अब बिहार के चुनाव के लिए और उससे भी आगे, अगले साल के शुरू में होने वाले असम तथा पश्चिम बंगाल के विधानसभाई चुनाव लिए खासतौर पर, बंगलादेशी घुसपैठ के भूत को नचाने की कोशिशें की जा रही हैं। वैसे इस खेल की व्याप्ति सार्वदेशिक है। इसीलिए, पिछले कुछ महीनों में राजधानी दिल्ली से लेकर मुंबई तक और ओडिशा समेत देश के दूसरे कई हिस्सों में कथित घुसपैठियों की पकड़–धकड़ के नाम पर, बंगला भाषा बोलने वाले मुसलमानों को खासतौर पर निशाना बनाया जा रहा है।

एससीओ बैठक में जयशंकर और इशाक डार के भाषणों के विश्लेषण से कई बड़ी बातें सामने आईं

नीरज कुमार दुबे

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के भाषण ने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि दोनों देशों के बीच भले ही मंच साझा हो, लेकिन उनके दृष्टिकोण, प्राथमिकताएं और वैश्विक भूमिका को लेकर सोच में गहरी खाई कायम है। जहां भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर का वक्तव्य एक परिपक्व, आत्मविश्वासी और वैश्विक दृष्टिकोण से परिपूर्ण था, वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का भाषण पुरानी शिकायतों, पाकिस्तान की विक्टिम कार्ड वाली छवि और कश्मीर के घिसे–पिटे मुद्दों के इर्द–गिर्द ही सिमटा रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने भाषण में एससीओ की प्रासंगिकता, क्षेत्रीय स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ साझा जिम्मेदारियों पर जोर दिया। उन्होंने न सिर्फ भारत की उभरती हुई वैश्विक भूमिका को रेखांकित किया, बल्कि इस मंच के माध्यम से पाकिस्तान सहित सभी पड़ोसी देशों को स्पष्ट संदेश भी दिया कि आतंकवाद और सीमा–पार हिंसा किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई को उचित ठहराते हुए जयशंकर ने एससीओ को आतंकवाद और चरमपंथ से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य से नहीं भटकने की सलाह भी दी। साथ ही जयशंकर का फोकस भारत की शवसुधैव कुटुंबकमश की नीति और शआत्मनिर्भर भारतश के विजन को क्षेत्रीय सहयोग से जोड़ने पर रहा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि साझा विकास तभी संभव है जब क्षेत्र में शांति और आतंकवादमुक्त माहौल हो। ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक सहयोग, कनेक्टिविटी और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भारत के रुख ने एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति की छवि भी पेश की। दूसरी ओर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का भाषण कहीं न कहीं भारत के विरुद्ध पूर्व निर्धारित एजेंडे और पुराने दावों का ही विस्तार प्रतीत हुआ। इशाक डार ने अप्रत्यक्ष रूप से कश्मीर का मुद्दा उठाकर इसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर घसीटने की कोशिश की, जबकि एससीओ का मापदंड है कि यह मंच द्विपक्षीय विवादों के लिए नहीं, बल्कि साझा क्षेत्रीय हितों के लिए है। डार के भाषण में पहलगाम हमले से पल्ला झाड़ने, भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने और भारत के साथ संवाद की आवश्यकता भी जताने जैसी बातें मुख्य बिंदू रहीं। इशाक डार ने कहा कि पिछले तीन महीनों में दक्षिण एशिया में ''बेहद परेशान करने वाली घटनाएं'' हुईं। इशाक डार ने कहा, ''पाकिस्तान संघर्ष–विराम और स्थिर क्षेत्रीय संतुलन कायम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। हालांकि, हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि बल का मनमाना प्रयोग सामान्य हो जाए।'' देखा जाये तो पाकिस्तान एक ओर खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करता रहा, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय स्थिरता और विकास की बातें करता रहा, जो उसकी नीति में अंतर्विरोध को ही उजागर करता है। भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के भाषण पर गौर करेंगे तो एससीओ मंच पर दोनों देशों के दृष्टिकोण में जमीन–आसमान का फर्क दिखाई देगा। जहां भारत आर्थिक विकास, आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता और क्षेत्रीय स्थिरता की बात कर रहा था, वहीं पाकिस्तान अब भी कश्मीर राग और भारत–विरोधी विमर्श में उलझा हुआ दिखा। भारत वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तो पाकिस्तान अब भी अपनी पहचान और अस्तित्व की राजनीति में उलझा है। इस बैठक से स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तान अपने पुराने एजेंडे से बाहर आने को तैयार नहीं है जबकि भारत हर वैश्विक मंच पर रचनात्मक, समाधानपरक और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि एससीओ के शीर्ष नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने की संभावना है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बताया है कि 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख अगले महीने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तियानजिन शिखर सम्मेलन एवं संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। एससीओ तियानजिन शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से एक सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और एससीओ सदस्य देशों के अन्य नेताओं के इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन में जाते हैं तो सबकी निगाहें खासतौर पर भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के भाषण पर लगी रहेंगी। बहरहाल, एससीओ जैसे मंच पर भारत और पाकिस्तान के दृष्टिकोण में दिखा अंतर महज भाषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों की व्यापक विदेश नीति और भविष्य के कूटनीतिक रास्तों का संकेतक भी है। भारत जहां अपने आत्मविश्वास, आर्थिक मजबूती और वैश्विक भूमिका के आधार पर भविष्य गढ़ रहा है, वहीं पाकिस्तान अब भी अतीत के नारों में फंसा है। यह बैठक एक बार फिर यह सिद्ध कर गई कि भारत आज न केवल दक्षिण एशिया बल्कि ग्लोबल साउथ के लिए भी भरोसेमंद नेतृत्वकर्ता है, जबकि पाकिस्तान की भूमिका अब केवल एक विरोध और शिकार के नैरेटिव तक सीमित हो चुकी है।

बिग बॉस 19 से पहले बिगड़ी अरिशफा खान की तबीयत, पहुंची अस्पताल, तस्वीरें शेयर कर दिखाई अपनी हालत

मशहूर एक्ट्रेस अरिश्फा खान को लेकर एक चिंता में डाल देने वाली खबर सामने आई है। एक्ट्रेस की तबीयत बिगड़ गई है और इसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। इससे पहले अरिश्फा को रियलिटी शो बिग बॉस के लिए अप्रोच किए जाने की खबर सामने आई थी, लेकिन शो शुरू होने से पहले ही वो हॉस्पिटल पहुंच गई हैं। अस्पताल में एडमिट एक्ट्रेस की तस्वीरें देख फैंस उनके लिए परेशान हो गए हैं और उनकी जल्द रिकवरी की दुआएं करते नजर आ रहे हैं। अरिश्फा खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अस्पताल से अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में देखा जा सकता है कि अरिश्फा को ड्रिप चढ़ी हुई है। उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा है। एक पोस्ट में अरिश्मा ने लिखा कि 5 इंजेक्शंस लग चुके हैं और कितने लगेंगे? अरिश्फा खान ने अपनी स्टोरी पर इंजेक्शन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, '5 इंजेक्शंस दोनों हाथों में, अनगिनत इंजेक्शंस और दवाइयां। उम्मीद है कि जल्द ही ठीक हो जाऊं। थैंक्यू मम्मा, मेरा ख्याल रखने के लिए। 4 दिन से दिन और रातभर जागने के लिए। मुझे ठीक करने में खुद बीमार हो गए आप। दिन भर हॉस्पिटल से घर, घर से हॉस्पिटल भागने के लिए! आप मेरी सबसे अच्छी मां हो। मैं आपको सबसे ज्यादा प्यार करती हूं।'इसके साथ ही अरिश्फा ने दिखाया है कि कैसे इंजेक्शंस के कारण उनके हाथ नीले पड़ गए हैं। हालांकि, अभी तक ये जानकारी सामने नहीं आई है कि अरिश्फा खान किस कारण से अस्पताल में भर्ती हैं।

रमजान में राम और दिवाली में अली है..अमाल मलिक ने अपने धर्म पर की बात, कहा, मैं मुस्लिम पिता और हिंदू मां की संतान..

म्यूजिक कम्पोजर अमाल मलिक ने हाल ही में एक इंटरव्यू में गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि धर्म अलग होने की वजह से गर्लफ्रेंड के माता–पिता ने रिश्ते के लिए मना कर दिया था, जिससे उन्हें गहरा सदमा पहुंचा था। वो बुरी तरह टूट गए थे। वहीं, अब हाल ही में सिंगर ने खुल कर धर्म के बारे में बात की और एक्स पर एक लंबा–चौड़ा पोस्ट शेयर कर अपना पक्ष रखा। अमाल मलिक ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने किसी कम्यूनिटी के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। उन्होंने लिखा–हर कोई जो ये लिख रहा है कि मैंने एक कम्यूनिटी के खिलाफ कैसे बोला, तो बता दूं आप पूरी तरह से गलत हैं। मैंने एक मुस्लिम पिता और एक हिंदू मां की संतान होने के नाते अपनी पसंद के बारे में बात की थी। ये एक धर्मनिरपेक्ष मानसिकता है, मुझे जहां शांति मिलती है, मैं वहीं जाता हूं फिर चाहे मस्जिद हो, मंदिर यो फिर चर्च हो। मुझे नहीं लगता कि कुछ लोग ये समझते हैं कि हम सभी पहले भारतीय हैं। उसके बाद ही कोई धार्मिक या आध्यात्मिक बैज को पहनते हैं। अमाल मलिक ने आगे लिखा, मेरे सभी भारतीय भाइयों को, जिन्हें मेरी कुछ बातों का बुरा लगा, मैं उनसे माफी मांगना चाहता हूं, लेकिन मैं अपनी लाइफ को बेहद सिंपल समझ रखता हूं। ये बात बस याद रखें कि रमजान में राम और दिवाली में अली है। इसलिए इन खबरों से खुद को अंधा न होने दें और मेरी असल बातचीत और भावनाओं को इग्नोर न करें। मुझ पर बहुत कीचड़ उछाला जा रहा है और पॉडकास्ट में दिए गए मेरे स्टेटमेंट्स का इस्तेमाल करके, इंटरनेट पर साम्प्रदायिक तौर पर गलत जानकारी फैला रहे हैं। इसके झांसे में न आएं। सभी को मेरा प्यार। अमाल मलिक ने श्सिद्धार्थ कन्ननश के साथ इंटरव्यू में बताया था कि वह पांच साल से रिलेशनशिप में थे। जब वह एक शो में परफॉर्म करने जा रहे थे, तो उसकी गर्लफ्रेंड ने उन्हें फोन करके बताया कि वह शादी कर रही है। लेकिन अगर सिंगर आते हैं तो वह उनके साथ भाग जाएगी। लेकिन अमाल राजी नहीं हुए। उन्होंने उससे कहा, अगर तुम्हारे माता–पिता मेरे ६ र्म को एक्सेप्ट नहीं कर सकते और मेरे करियर का सम्मान नहीं कर सकते, तो मैं तुम्हें शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने यह भी खुलासा किया था कि उनमें इस्लाम का कोई भी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं धर्म का पूरी तरह से पालन नहीं करता। मैं बहुत कम धार्मिक इंसान हूं। मैं कर्म में यकीन करता हूं। लेकिन सभी धर्म का सम्मान करता हूं।

विद्या बालन

को पहचानना हुआ मुश्किल, एक्ट्रेस के ट्रांसफॉर्मेशन ने फैंस के उड़ाए होश

विद्या बालन द पीकॉक मैगज़ीन के जुलाई 2025 संस्करण के कवर पर अपने नए ट्रांसफॉर्मेशन से सबका ध्यान खींच रही हैं। 14 जुलाई को, मैगज़ीन ने इंस्टाग्राम पर विद्या बालन इस आकर्षक नए लुक का खुलासा किया और प्रशंसक उनके इस नाटकीय हेयर मेकओवर और ग्लैमरस स्टाइल को देखकर दंग रह गए। कवर शूट के लिए, विद्या बालन ने कंधे तक लंबे एक आकर्षक बॉब हेयरस्टाइल के साथ कदम रखा, जो उनके सामान्य हेयरस्टाइल से एक उल्लेखनीय बदलाव था। इस स्लीक कट में मुलायम परतें हैं और हल्के सुनहरे हाइलाइट्स के साथ इसे उभारा गया है जो गहराई और आयाम जोड़ते हैं। साइड पार्टिंग और मुलायम, घने ब्लोआउट वेव्स के साथ स्टाइल किए गए, उनके बाल उनके चेहरे को खूबसूरती से फ्रेम करते हैं – एक तरफ थोड़ा अंदर की ओर मुड़ा हुआ है जिससे एक आकर्षक, सुडौल प्रभाव पैदा होता है।

इंटरनेट पर प्रतिक्रियाएँ

तस्वीर के कई अन्य सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर शेयर होने के बाद, कई लोगों ने टिप्पणी की कि अदाकारा अपनी उम्र से काफ़ी छोटी लग रही हैं। एक ने कहा, वाह, वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दूसरे ने कहा, शानदार!! उनमें इस तरह के स्टाइल की भी क्षमता है और उन्हें इसके साथ और भी प्रयोग करना चाहिए! कुछ लोगों ने महिला सितारों के लिए इस तरह के ग्लैमरस स्टाइल की वकालत की, जो प्राकृतिक दिखने वाले शरीर का जश्न मनाता है। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, साइज़ ज़ीरो और फ़िल्टर संस्कृति, सुंदरता का एक मानक जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। कई लोगों ने टिप्पणी की कि बॉलीवुड के मौजूदा अभिनेताओं को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। एक प्रशंसक ने कहा, अगर किसी और (मौजूदा नेपो जेनरेशन) को इस तरह स्टाइल किया गया होता, तो वह कमाल की दिखतीं। एक अन्य ने कहा, सभी नेपो किड्स जो एक–दूसरे की तरह दिखते हैं, उन्हें उनसे स्टाइलिंग टिप्स की ज़रूरत है कि कैसे अलग दिखें।

विद्या बालन का हालिया काम

विद्या आखिरी बार 2024 की हिट फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन और माधुरी दीक्षित के साथ नज़र आई थीं। इस फ़िल्म ने, जिससे विद्या ने इस फ़्रैंचाइज़ी में वापसी की, बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ से ज़्यादा की कमाई की। इससे पहले, उन्होंने रोमांटिक कॉमेडी फ़िल्म दो और दो प्यार में अपने अभिनय के लिए आलोचकों की प्रशंसा अर्जित की थी, जिसमें प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज़ और सेंधिल राममूर्ति भी थे।

अनुपम खेर ने दिलजीत पर दी प्रतिक्रिया, कहा– मैं इतना महान नहीं

अभिनेता अनुपम खेर ने पंजाबी अभिनेता–सिंगर दिलजीत दोसांझ और पाकिस्तानी अभिनेत्री हनिया आमिर स्टारर फिल्म सरदार जी 3 को लेकर चल रहे विवाद पर अपनी राय साझा की है। अपनी आगामी फिल्म तन्वी द ग्रेट की रिलीज से पहले एक बातचीत में उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। सूत्रों के अनुसार अनुपम खेर ने कहा कि दिलजीत दोसांझ को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है और उन्हें इसे प्रयोग करने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे खुद इस तरह के निर्णय नहीं लेते, खासकर जब बात पाकिस्तान के कलाकारों के साथ काम करने की हो। उन्होंने कहा, यह उनका मौलिक अधिकार है, लेकिन मैं शायद ऐसा नहीं करता जो उन्होंने किया। अनुपम खेर ने भारत–पाकिस्तान के रिश्तों की तुलना परिवार और पड़ोसी से की। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा, तुमने मेरे पिता को थप्पड़ मारा, लेकिन तुम बहुत अच्छा गाते हो और तबला बजाते हो, इसलिए तुम मेरे घर आकर परफॉर्म करो। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगा। मैं इतना महान नहीं हूं कि मैं ऐसा कर सकूं। मैं पलटकर नहीं मारूंगा, लेकिन मैं उसे यह अधिकार नहीं दूंगा। जो नियम मैं अपने घर पर मानता हूं, वही अपने देश के लिए भी मानता हूं। उन्होंने आगे कहा कि वे अपनी बहन का सिंदूर कला के नाम पर मिटते हुए नहीं देख सकते। मैं इतना महान नहीं हूं कि अपने परिवार को चोटिल होते देख सकूं। जो ऐसा कर सकते हैं, उन्हें पूरी आजादी है। दिलजीत दोसांझ को तब से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है जब यह पता चला कि उनकी आगामी पंजाबी फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी अभिनेत्री हनिया आमिर मुख्य भूमिका में हैं। यह विवाद 2016 के उरी आतंकी हमले के बाद से भारत में पाकिस्तानी कलाकारों पर लगे बैन के कारण और अधिक बढ़ गया है। उस हमले के कुछ महीनों बाद यह बैन लागू किया गया था। पिछले सप्ताह, बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने भी इस विवाद पर अपनी राय व्यक्त की थी। उन्होंने ट्रोलिंग की वजह को समझने में असमर्थता जताई और कहा था कि सही और गलत की सीमा स्पष्ट नहीं है।

टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन को अगला कान्स मत बनाओ..., बॉलीवुड सेलेब्स पर भड़कीं सोफी चौधरी

विंबलडन 2025 में भारतीय हस्तियाँ स्टाइलिश अंदाज़ में नज़र आईं। प्रियंका चोपड़ा, सोनम कपूर, अनुष्का शर्मा, जान्हवी कपूर, उर्वशी रौतेला और कई अन्य हस्तियाँ इस भव्य टूर्नामेंट में नज़र आईं, जिससे ऑनलाइन मिली–जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं। सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने आयोजन स्थल से कुछ पल साझा किए। हालाँकि, सोफी चौधरी ने इस चलन की कड़ी आलोचना की है। गुरुवार, 15 जुलाई को, गायिका और अभिनेत्री सोफी चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर एक विस्तृत नोट साझा किया, जिसमें विंबलडन को खेल की सराहना करने के बजाय इसे एक फैशन रनवे में बदलने के बढ़ते जुनून की आलोचना की गई। सोफी चौधरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर लिखा, हे भगवान! कृपया विंबलडन को अगला कान्स न बनने दें। मैं 30 से ज़्यादा सालों से टेनिस की शौकीन रही हूँ। अपने पसंदीदा खिलाड़ियों सैम्प्रास (एक समय में एक जुनून), अगासी, नडाल और अब अल्काराज़ के लिए खुशी और दर्द के आँसू बहाए हैं। स्कूल की परीक्षाओं की तैयारी के बीच मैच देखने का समय तय किया है। मैं भाग्यशाली थी कि दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा को उनके आखिरी विंबलडन फ़ाइनल में अन्य शानदार मैचों के साथ खेलते हुए देखा, इससे पहले कि यह सब सिर्फ़ एक इंस्टा पोस्ट तक सीमित हो जाता। उन्होंने आगे कहा, ष्लेकिन इस साल मैं अचानक भारत से अनगिनत श्प्रभावशाली लोगोंश, श्मशहूर हस्तियोंश को सिर्फ़ दिखावे के लिए वहाँ जाते हुए देख रही हूँ। मैं इस बात से इनकार नहीं कर रही कि कुछ लोग सचमुच इस खेल से प्यार करते हैं, लेकिन कई लोग सिर्फ़ सोशल मीडिया पर पोज़ देने के लिए वहाँ जाते हैं। उन्हें इस खेल या इसे खेलने वालों के बारे में ज़रा भी जानकारी या रुचि नहीं होती। अंत में सोफी चौधरी ने लिखा, ष्यह बस उफ़! कृपया हमें दुनिया के सबसे खूबसूरत टूर्नामेंटों में से एक को बर्बाद न करने दें।ष सोफी चौधरी की राय के विपरीत, सोनम कपूर ने विंबलडन में शविचित्रताश को लेकर मशहूर हस्तियों के प्रति सकारात्मक रुख अपनाया। सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर डाइट सब्या द्वारा विंबलडन में श्देशीकरणश के बारे में साझा की गई एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, ष्फैश्शन बहुत अच्छे हैं! हर जगह भारतीय! बहुत बढ़िया ना? सोनम कपूर, प्रियंका चोपड़ा, अनुष्का शर्मा, विराट कोहली, उर्वशी रौतेला, अवनीत कौर, जैकलीन फर्नांडीज, मिलिंद सोमन, प्रीति जिंटा, फरहान अख्तर, जावेद अख्तर, शिबानी दांडेकर, जान्हवी कपूर, नीना गुप्ता, मसाबा गुप्ता सहित कई हस्तियां विंबलडन में नज़र आईं।

इन चार तरीकों से पालक को बनाएं अपनी थाली का हिस्सा

सेहतमंद रहने के लिए हरी सब्जियों को डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। इन्हीं हरी सब्जियों में से एक है पालक। आयरन रिच पालक में कई तरह के विटामिन्स व मिनरल्स पाए जाते हैं। अमूमन यह देखने में आता है कि लोग घरों में पालक की मदद से पालक पनीर बनाना पसंद करते हैं। जबकि अगर आप चाहें तो पालक को कई अलग–अलग तरीकों से भी खा सकते हैं। इससे आपको हर दिन एक नई व डिफरेंट डिश खाने का मौका भी मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पालक को किस तरह अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं–

बनाएं पालक दाल

दाल को एक अलग टेस्ट देने के लिए आप पालक दाल बनाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दाल को नरम होने तक पकाएं। दूसरे पैन में घी या तेल में जीरा और सरसों के बीज भूनें, फिर प्याज, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालें। टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं, फिर पालक डालें और गलने तक पकाएं। पकी हुई दाल के साथ मिलाएं और कुछ मिनट तक उबालें। नमक डालें और धनिया से गार्निश करें।

बनाएं पालक का सूप

अगर आप कुछ लाइट खाना चाहते हैं तो ऐसे में पालक का सूप भी बनाया जा सकता है। इसके लिए प्याज़ और लहसुन को एक बर्तन में पारदर्शी होने तक भूनें। कटे हुए आलू और वेजिटेबल स्टॉक डालें और आलू के नरम होने तक पकाएं। पालक डालें और इसे भी हल्का पकाएं। फिर मिश्रण को चिकना होने तक ब्लेंड करें। अब इसे बर्तन में वापस डालें, क्रीम डालें और नमक और काली मिर्च डालें।

बनाएं पालक और छोले सलाद

अगर आपको सलाद खाना बोरिंग लगता है तो एक बार पालक की मदद से सलाद बनाकर देखें। पालक को उबला हुए छोले, कटे हुए प्याज, टमाटर, खीरे और क्रम्बल किए हुए फ़ेटा चीज़ के साथ मिलाएं। जैतून का तेल, नींबू का रस, नमक और काली मिर्च डालकर खाएं।

बनाएं पालक स्मूदी

अगर आप पालक को अपने ब्रेकफास्ट का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो पालक स्मूदी बनाएं। इसके लिए एक ब्लेंडर में पालक को केला, आम, दही, शहद, चिया सीड्स और बादाम के दूध के साथ मिलाकर अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। मिनटों में बनने वाली यह स्मूदी बेहद ही टेस्टी और फिलिंग होती है।

स्लिम और फिट रहने के लिए इस रूटीन का करें पालन

आज कल पतले रहना बेहद मुश्किल है लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आप स्लिम और फिट रहें तो उसके लिए आपको स्वस्थ रूटीन का पालन करना चाहिए। यहां हमने कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दी हैं जिन्हें आप भी अपनी जीवनशैली में जरूर अपनाएं –

1. प्रातःकाल की व्यायाम

रोजाना सुबह उठकर कम से कम 30–45 मिनट की व्यायाम करें। यह दौड़ना, योग या गहरी श्वासायाम हो सकती है।

2. समय पर नाश्ता

सुबह का नाश्ता समय पर करें, जिसमें प्रोटीन और फाइबर युक्त आहार शामिल हो।

3. पानी पिएं

दिन भर में नियमित अंतरालों में पानी पिएं, कम से कम 8–10 गिलास।

4. फल और सब्जी खाएं

अपने भोजन में फल और सब्जियों को शामिल करें, जो कम कैलोरी वाले और पौष्टिक हों।

5. संतुलित भोजन

मीठे और तली हुई चीजें को कम करें, और उचित मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और फैट्स लें।

6. रात का भोजन

रात का भोजन हल्का होना चाहिए, और खाने के बाद अधिक से अधिक दो घंटे का विश्राम लें।

7. नियमित व्यायाम

हफ्ते में कम से कम 5 दिन व्यायाम करें, जैसे चलना, जिम या योगा।

इस रूटीन को अपनाकर आप स्वस्थ और फिट रह सकते हैं।

दूध- दही ही नहीं सावन में इन चीजों से भी बना लें दूरी, जानें क्यों करना चाहिए परहेज

सावन का महीना आध्यात्मिक दृष्टि से जितना पवित्र माना जाता है, उतना ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी संवेदनशील होता है। बरसात के मौसम में वातावरण में अधिक नमी और तापमान में बदलाव की वजह से बैक्टीरिया और कीटाणु बहुत तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है, जिनमें दूध और दही प्रमुख हैं।

सावन में दूध और दही क्यों नहीं खाने चाहिए?

बैक्टीरियल संक्रमण का खतराः दूध और दही जल्दी खराब होने वाले पदार्थ हैं। सावन में हवा में मौजूद नमी के कारण ये जल्दी खट्टे या संक्रमित हो सकते हैं, जिससेफूड पॉयजनिंग, पेट दर्द और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पाचन तंत्र पर असरः इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। दूध और दही भारी होते हैं, जिन्हें पचाना कठिन हो सकता है। इससे अपच या गैस की समस्या हो सकती है।

आयुर्वेद की मान्यताः आयुर्वेद के अनुसार, सावन में वात और कफ दोष बढ़ जाते हैं। दूध और दही इन दोषों को और बढ़ा सकते हैं, जिससे सर्दी, खांसी, जुकाम और एलर्जी हो सकती है।

किन चीजों से सावन में करना चाहिए परहेज?

–दही और छाछ, खासकर रात में बिल्कुल न खाएं।

–मांसाहारी भोजन, यह पचाने में भारी होता है और संक्रमण का खतरा बढ़ा सकता है।

–हरी पत्तेदार सब्जियां, इनमें कीड़े लगने की आशंका रहती है।

–भारी तेलयुक्त और तली–भुनी चीजें, ये पाचन तंत्र पर बोझ डालती हैं।

–कटे–फटे फल लंबे समय तक ना रखें, इन पर बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं।

–ठंडे पेय पदार्थ या आइसक्रीम, यह कफ और सर्दी बढ़ा सकते हैं।

क्या खाएं सावन में?

– हल्की और पचने में आसान चीजें जैसे मूंग दाल, खिचड़ी, फल, सूप

– उबली या भाप में पकी सब्जियां

–तुलसी, अदरक और काली मिर्च जैसे प्राकृतिक इम्युनिटी बूस्टर

– गर्म पानी और हर्बल चाय

सावन में खानपान पर ध्यान देना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मौसम संक्रमण का खतरा बढ़ा देता है। दूध–दही जैसे भारी और जल्दी खराब होने वाले पदार्थों से बचना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इस मौसम में हल्का, पचने में आसान और गर्म भोजन लें ताकि आप स्वस्थ और ऊर्जावान बने रहें।

स्किन का रखना है ख्याल तो आलू के छिलके का करें इस्तेमाल

आलू एक ऐसी सब्जी है, जिसे हम सभी अपने घर में कई अलग–अलग तरीकों से बनाना व खाना पसंद करते हैं। आलू को अमूमन छीलकर व काटकर बनाया जाता है। ऐसे में बचे हुए आलू के छिलकों को यूं ही बेकार समझकर कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है। जबकि आलू के छिलके आपके बेहद काम आ सकते हैं। अगर आप अब तक अपनी स्किन की केयर करने के लिए महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स में इनवेस्ट करते आए हैं तो अब आप आलू के छिलकों का इस्तेमाल करें। ये आलू के छिलके आपकी स्किन का कई तरह से ख्याल रख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको आलू के छिलकों को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के कुछ अमेजिंग तरीकों के बारे में बता रहे हैं–

डार्क सर्कल से पाएं छुटकारा

आलू के छिलकों की मदद से डार्क सर्कल की अपीयरेंस को आसानी से कम किया जा सकता है। ऐसा आलू के छिलकों की नेचुरल ब्लीचिंग और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण संभव है।

कैसे उपयोग करें–

– अपनी आंखों पर ताजे आलू के छिलके रखें।

– उन्हें 15–20 मिनट तक लगा रहने दें।

– अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

बनाएं ब्राइटनिंग फेस मास्क

अगर आप नेचुरल तरीके से अपनी स्किन को अधिक ब्राइटन बनाना चाहते हैं और दाग–धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आलू के छिलकों का इस्तेमाल करें।

कैसे उपयोग करें–

– ब्राइटनिंग फेस मास्क बनाने के लिए सबसे पहले आलू के छिलकों को पीसकर पेस्ट बना लें।

– अब इसमें आवश्यकतानुसार दही मिलाएं।

– तैयार मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं।

– इसे गुनगुने पानी से धोने से पहले 15–20 मिनट तक लगा रहने दें।

स्क्रब की तरह करें इस्तेमाल

आलू के छिलके डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए एक जेंटल एक्सफोलिएटर के रूप में काम कर सकते हैं।

कैसे उपयोग करें–

– ताजे आलू के छिलकों को सीधे अपनी स्किन पर सर्कुलर मोशन में रब करें।

– इसे कुछ देर ऐसे ही छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से धोएं।

स्किन को बनाएं यूथफुल

आलू के छिलकों में एंटी–ऑक्सीडेंट होते हैं जो झुर्रियों और महीन रेखाओं जैसे उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

कैसे उपयोग करें–

– आलू के छिलकों का पेस्ट बनाएं।

– पेस्ट को महीन रेखाओं और झुर्रियों वाले क्षेत्रों पर लगाएं।

– इसे धोने से पहले 20–30 मिनट तक लगा रहने दें।

गर्मियों में अच्छी सेहत के लिए वरदान है लौकी, सब्जी नहीं इस तरह सकते हैं बना

गर्मियों में स्वास्थ्य के लिए सही आहार बहुत महत्वपूर्ण होता है और इस समय में खासकर वे आहार पदार्थ जो शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं, विशेष महत्व रखते हैं। लौकी इसी तरह की एक स्वास्थ्यवर्धक सब्जी है जो गर्मियों में आसानी से उपलब्ध होती है और इसका अनेक तरीकों में सेवन किया जा सकता है। इसके साथ ही, लौकी के फायदों के बारे में भी जान कर आप हैरान हो जाएंगे। लेकिन अगर आपको ये पसंद नहीं है तो आप इसे किस तरह से अलग–अलग रुपों में बना कर खा सकते हैं।

लोई के फायदे

लौकी एक स्वस्थ और पोषण से भरपूर सब्जी है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व और उपयोगी गुण इसे एक उत्कृष्ट आहार बनाते हैं। यहां लौकी के कुछ महत्वपूर्ण फायदे हैंरू

पोषण से भरपूर

लौकी में विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

वजन नियंत्रण

लौकी में कम कैलोरी होती है और यह वजन नियंत्रण में मदद कर सकती है।

पाचन क्रिया को सुधारती है

लौकी पाचन को सुधारने में मदद कर सकती है और अपच में लाभकारी हो सकती है।

हार्ट हेल्थ

लौकी में फाइबर होता है जो हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है।

लौकी का उपयोग

अगर आपको लौकी पसंद नहीं है, तो इसे विभिन्न तरीकों में खाने के ये उपाय आपके लिए उपयुक्त हो सकते हैंरू

लौकी की सब्जी

लौकी को प्याज, टमाटर और मसालों के साथ पकाकर स्वादिष्ट सब्जी बना सकते हैं।

लौकी की खीर

लौकी को दूध में पकाकर मिठी खीर बना सकते हैं। इसमें चीनी, दालचीनी और काजू डालकर स्वादिष्टता बढ़ा सकते हैं।

लौकी के कोफ्ते

लौकी को गोले बनाकर उसे मटर या टमाटर की ग्रेवी में पकाकर मजेदार कोफ्ते बना सकते हैं।

लौकी का रायता

लौकी को दही के साथ मिलाकर रायता बना सकते हैं और इसे चावल या पराठे के साथ सर्व कर सकते हैं।

इन तरीकों से आप लौकी को स्वादिष्ट बना सकते हैं और इसके सभी स्वास्थ्य लाभों को प्राप्त कर सकते हैं। अपने आहार में लौकी को शामिल करके आप अपने स्वास्थ्य को बनाए रख सकते हैं और इसके फायदे उठा सकते हैं।

संक्षिप्त

कॉरपोरेट्स की पहली पसंद बना नवी मुंबई, ऑफिस स्पेस की मांग 2024 में 40 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। नवी मुंबई में प्रीमियम कार्यालय स्थलों की मांग 2024 में 40 प्रतिशत बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट हो गई। इससे किफायती किराए पर लीजिंग गतिविधियां और बढ़ने की उम्मीद है। रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स की रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है।

मुंबई का औसत किराया लगभग 65 रुपये प्रति वर्ग फीट

सीआरई मैट्रिक्स के सह–संस्थापक अभिषेक किरण गुप्ता ने कहा कि नवी मुंबई प्रमुख 7 से 8 शहरों में सबसे किफायती कार्यालय बाजारों में से एक है। इसका औसत किराया लगभग 65 रुपये प्रति वर्ग फीट है। उन्होंने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के माइक्रो–मार्केट्स में मांग लगातार बढ़ रही है। इस कैलेंडर वर्ष के पहले छह महीनों में नवी मुंबई में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा लगभग 8 लाख वर्ग फुट से अधिक हो गया। नवी मुंबई में वैश्विक और घरेलू कॉरपोरेट्स की ओर से ग्रेड ए कार्यालय स्थान की भारी मांग है। एमएमआर के इस हिस्से में नए हवाई अड्डे सहित बुनियादी ढांचे के विकास के कारण मांग में और वृद्धि होगी।

इन कंपनियों के पास है ऑफिस स्पेस पोर्टफोलियो

टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, के रहेजा ग्रुप प्रायोजित– माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स आरईआईटी, एलएंडटी रियल्टी और हीरानंदानी ग्रुप कुछ प्रमुख कंपनियां हैं। इनके पास नवी मुंबई क्षेत्र में ऑफिस स्पेस पोर्टफोलियो है।

2024 में सकल पट्टा बढ़कर 57.93 लाख वर्ग फुट हो गया

सीआरई मैट्रिक्स डेटा के अनुसार, नवी मुंबई में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा 2024 में बढ़कर 57.93 लाख वर्ग फुट हो गया। यह पिछले कैलेंडर वर्ष में 41.37 लाख वर्ग फुट था। इस वर्ष जनवरी–जून के दौरान सकल पट्टा 27.72 लाख वर्ग फुट रहा, जबकि नई आपूर्ति 20.07 लाख वर्ग फुट रही।

वित्त वर्ष 2026 में सकल पट्टा 60 लाख वर्ग फुट होने का अनुमान

नवी मुंबई में प्रमुख कार्यालय केंद्र हैं ऐरोली, घनसोली, वाशी, जुईनगर, बेलापुर और तुर्भे। गुप्ता ने अनुमान लगाया कि नवी मुंबई में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा चालू कैलेंडर वर्ष 2026 में 60 लाख वर्ग फुट को पार कर सकता है।

कुशमैन एंड वेकफील्ड का अनुमान

कुशमैन एंड वेकफील्ड के अनुसार, शीर्ष 8 शहरों में कार्यालय स्थलों की सकल लीजिंग 2025 के दौरान 90 मिलियन वर्ग फुट को पार कर जाने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष की रिकॉर्ड मांग को पार कर जाएगी। 2024 में, शीर्ष आठ शहरों में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा 89 मिलियन वर्ग फुट था।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

वैश्विक शेयर बाजारों में सुस्त रुख के अनुरूप बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि शुल्क संबंधी अनिश्चितता के कारण भी निवेशक बाजार से दूर रहे। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 103.16 अंक की गिरावट के साथ 82,467.75 अंक पर और एनएसई निफ्टी 56.75 अंक फिसलकर 25,139.05 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। ट्रेंट, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर में तेजी रही। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट नुकसान में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.85 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 120.47 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा निर्यात एवं आयात में गिरावट के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में भारी गिरावट को रोका। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.

02 पर खुला। फिर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दर्शाता है। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 98.60 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 103.16 अंक की गिरावट के साथ 82,467.75 अंक पर और निफ्टी 56.75 अंक फिसलकर 25,139.05 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.86 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 120.47 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत की हार पर आलोचनाओं की बाढ़, निशाने पर जडेजा-गिल और बुमराह, जानें अश्विन-पठान और कैफ क्या बोले

नई दिल्ली। टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में हार का सामना करना पड़ा। इस हार की वजह से भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1–2 से पिछड़ गई है। भारत की हार पर पूर्व क्रिकेटरों की ओर से काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रन पर ऑलआउट हो गई थी। रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने मैदान पर गजब का साहस दिखाया, लेकिन हार से बचा नहीं पाए। जहां कुछ पूर्व क्रिकेटर्स इन क्रिकेटरों के साहस की प्रशंसा कर रहे हैं, वहीं कई पूर्व क्रिकेटर्स जडेजा को लेकर मिली जुली प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इसके अलावा कप्तान शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह भी निशाने पर आए हैं। पूर्व क्रिकेटर्स जडेजा की बल्लेबाजी की तारीफ तो कर रहे हैं, लेकिन साथ ही यह भी कह रहे हैं कि उन्हें तेज बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। रविचंद्रन अश्विन, इरफान पठान और मोहम्मद कैफ की ओर से प्रतिक्रियाएं आई हैं। वहीं, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने विराट कोहली को संन्यास से वापस आने के लिए कहा है।

अश्विन ने जडेजा को लेकर दिया बयान

अश्विन ने कहा कि लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उनकी बात एक बड़े क्रिकेटर से हुई और दोनों इस बात पर सहमत थे कि जडेजा को तेजी से रन बटोरने चाहिए। अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्मैं पूरे मैच के दौरान एक बड़े क्रिकेटर को मैसेज करता रहा। मैं उनका नाम नहीं लूंगा, लेकिन हम दोनों मैच पर चर्चा कर रहे थे। हम दोनों को लगा कि जडेजा को शायद थोड़ा और जोखिम लेना चाहिए था, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। जिस तरह से वह खेले, उसे सलाम है! जड्डू ने जेन बोल्ड की एक पूरी पीढ़ी को दिखाया कि आप धैर्य के साथ खेल सकते हैं और टेस्ट गेम को चमका सकते हैं।श अश्विन ने कहा कि जडेजा और सिराज दोनों को लगातार गेंदों को डिफेंड करने के बजाय शोएब बशीर को निशाना बनाना चाहिए था। उन्होंने कहा, श्जडेजा सिराज के साथ एक गेंदबाज को चुन सकते थे और उन्हें बशीर पर अटैक करना चाहिए था, क्योंकि सिराज ढलान की वजह से लेग साइड पर एक स्पिनर को बड़े शॉट खेल सकते हैं। अश्विन से पहले महान स्पिनर अनिल कुंबले ने भी जडेजा के अप्रोच पर सवाल उठाए थे।

पठान ने वर्कलोड मैनेजमेंट पर दिया बयान

वहीं, भारत के पूर्व पेसर इरफान पठान ने बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को निशाने पर लिया और उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का उदाहरण दिया। स्टोक्स ने लॉर्ड्स टेस्ट में 44 रन और 33 रन की पारियां खेलने के अलावा पहली पारी में 20 ओवर गेंदबाजी की और दो विकेट लिए। दूसरी पारी में उन्होंने 24 ओवर गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए। इसके लिए स्टोक्स को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी दिया गया। पठान स्टोक्स से काफी प्रभावित दिखे। पठान ने कहा, श्स्टोक्स ने मैराथन 9.2 ओवर का स्पैल किया। वह 4डी प्लेयर हैं। वह गेंदबाजी, बल्लेबाजी, शानदार फील्डिंग... सब कर लेते हैं। पंत को स्टोक्स ने शानदार रन आउट किया। इसके बावजूद इंग्लैंड में वर्कलोड मैनेजमेंट की बात नहीं होती। भारत में हम इसका बहुत जिक्र करते हैं। पठान ने कहा, दूसरी पारी में जसप्रीत बुमराह ने पांच ओवर गेंदबाजी की और फिर जो रूट के बल्लेबाजी के लिए आने का इंतजार करते दिखे। जब आपको खेल को नियंत्रित करने की आवश्यकता थी, तब ऐसा हुआ। जब आप नहीं खेल रहे थे तो आपके पास वर्कलोड मैनेज किया गया। मैच के दौरान आप वर्कलोड मैनेज नहीं करते। वहां हम सुधार कर सकते थे। आपको मैच के दौरान हर कीमत पर जीतना होता है। मैंने कमेंट्री के दौरान भी यही बात कही थी। आर्चर चार साल बाद टेस्ट मैच खेल रहे थे, लेकिन वह रुके नहीं। उन्होंने दूसरे स्पैल से पहले सुबह के सत्र में छह ओवर का स्पैल फेंका। बेन स्टोक्स ने वर्कलोड के बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। वह एक स्पैल के बाद दूसरा स्पैल करते गए। अगर वह नौ ओवर फेंक सकते हैं तो हम तो पीछे रह गए।श पठान ने एक्स्ट्राज को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, भारत ने भी कई अतिरिक्त रन दिए। अगर भारत ने अतिरिक्त में इसके आधे रन भी दिए होते तो हम और बेहतर कर सकते थे।

कैफ ने शुभमन गिल को निशाने पर लिया

भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने शुभमन गिल के एटीट्यूड पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, श्शुभमन गिल की जैक क्राउली के साथ लड़ाई ने इंग्लैंड को प्रभावित किया। एजबेस्टन के बाद इंग्लैंड की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और कप्तानी को लेकर सवाल उठने लगे थे, लेकिन उस घटना ने स्टोक्स को आगबबूला कर दिया। उन्होंने एक प्रेरणादायक स्पैल फेंका। उस रवैये से चिपके रहना बुद्धिमानी है जो आपके लिए काम करता है। गिल इसी तरह कठिन तरीके से सीखेंगे।श कैफ के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी गिल पर निशाना साधा था और उनकी तकनीक को गलत बताया था। वहीं, संजय मांजरेकर भी गिल पर निशाना साधा था।

मदन लाल ने कोहली से वापसी का अनुरोध किया

वहीं, भारत के पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने विराट कोहली से संन्यास से वापसी की अपील की है। कोहली ने टेस्ट सीरीज से ठीक पहले खेल के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। मदन लाल ने कहा कि कोहली के फैसले को बदलने में कुछ भी गलत नहीं है और उन्होंने अनुभवी क्रिकेटर से अनुरोध किया कि वह अपने अनुभव और खेल के प्रति जुनून युवाओं के साथ साझा करें। मदन लाल ने क्रिकेटप्रेडिक्टा से बात करते हुए कहा, भारतीय क्रिकेट के लिए विराट कोहली का जुनून बेजोड़ था। मेरी इच्छा है कि वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें। लौटने में कुछ भी गलत नहीं है। अगर इस सीरीज में नहीं तो उन्हें अगली सीरीज में वापसी करनी चाहिए।

नीतीश कुमार रेड्डी को फायदा तो शुभमन गिल को हुआ घाटा, इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट नंबर–1 पर काबिज

आईसीसी ने बुधवार को टेस्ट प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग के तहत इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने अपने हमवतन हैरी ब्रूक से बादशाहत छीन ली है। रूट फिर से नंबर–1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उनके खाते में फिलहाल 888 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में शतक लगाने के अलावा 40 रनों की पारी खेली थी। ब्रूक ने पिछले हफ्ते रूट को पछाड़ा था लेकिन लॉर्ड्स में खराब प्रदर्शन के बाद अब तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके 862 अंक हैं। वहीं न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज केन विलियमसन दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय बल्लेबाजों को घाटा झेलना पड़ा है। गिल तीन स्थान लुढ़ककर 9वें पर आ गए हैं। उनके 765 अंक हैं। गिल ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में कुल 22 रन बनाए। ओपनर यशस्वी जायसवाल (801) और विकेटकीपर ऋषभ पंत (779) को एक–एक पायदान का नुकसान हुआ। यशस्वी मैच में सिर्फ 13 रन बना सके। उनका दूसरी पारी में खाता नहीं खुला था। पंत ने पहली पारी में 74 रन जुटाए थे लेकिन दूसरी पारी में 9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। भारत को लॉर्ड्स में 22 रनों से करीबी हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद इंग्लैंड पांच टेस्ट की सीरीज में 2–1 से आगे है। हालांकि, टीम इंडिया के नीतीश कुमार रेड्डी को फायदा हुआ है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने लॉर्ड्स टेस्ट में बल्ले से तो कोई खास योगदान देने में कामयाब नहीं हो सके थे, लेकिन गेंदबाजी में जरूर उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। इस रैंकिंग में नीतीश कुमार रेड्डी ने सीधे 25 स्थानों की छलांग लगाई है। वह अब आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में 65 रैंकिंग पॉइंट के साथ सीधे 62वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

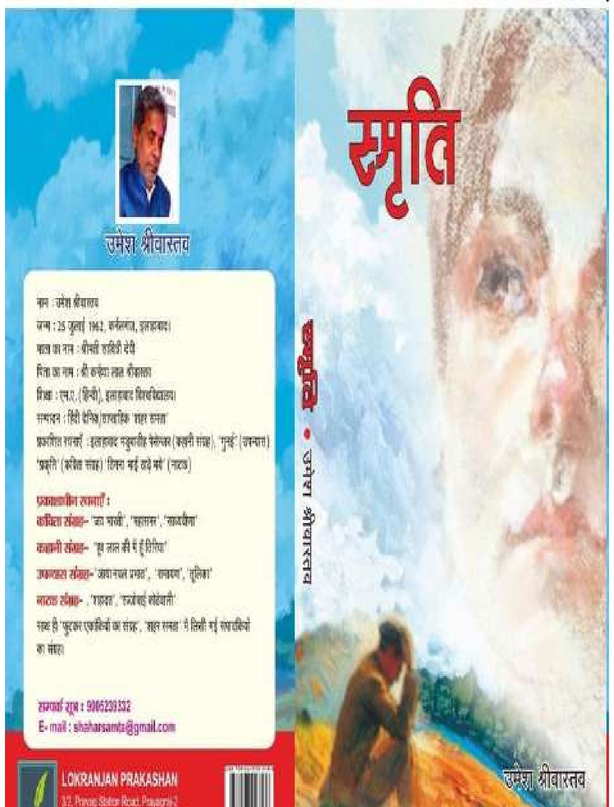

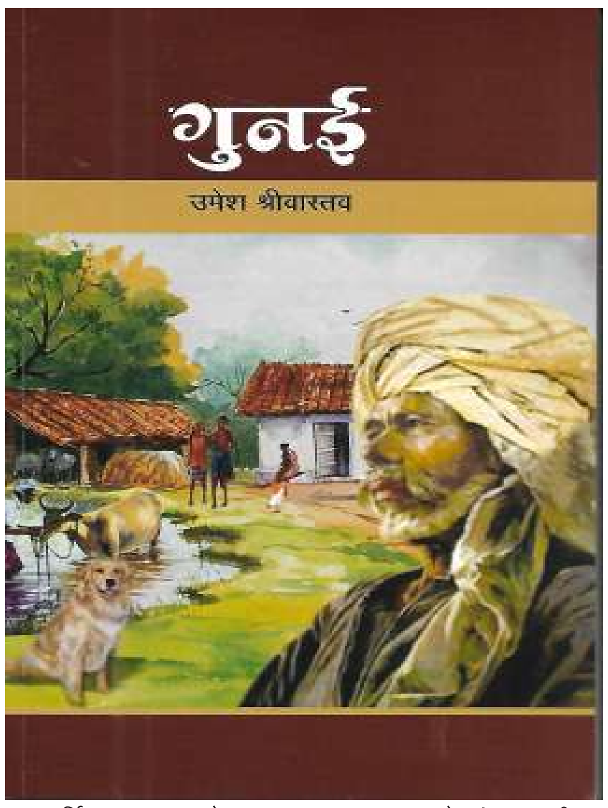

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

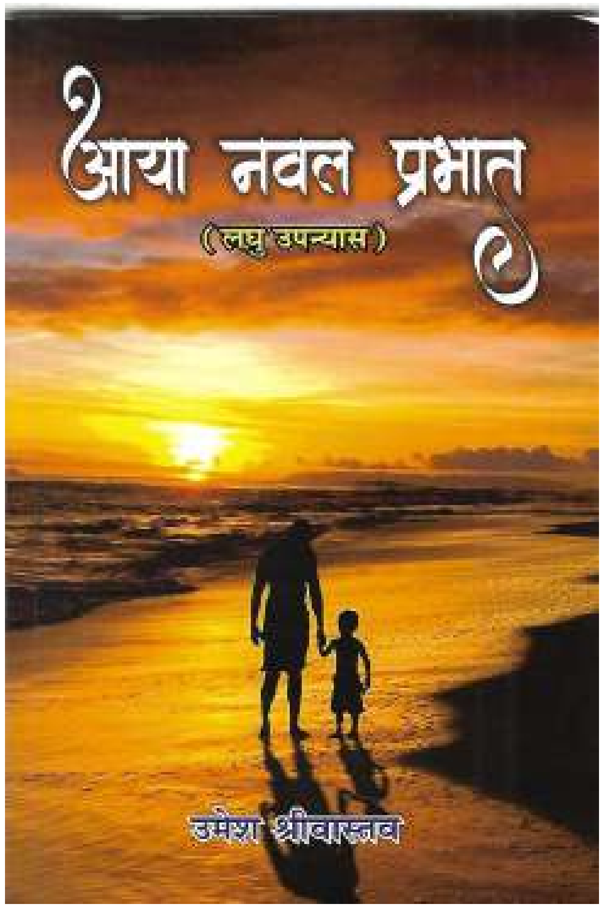

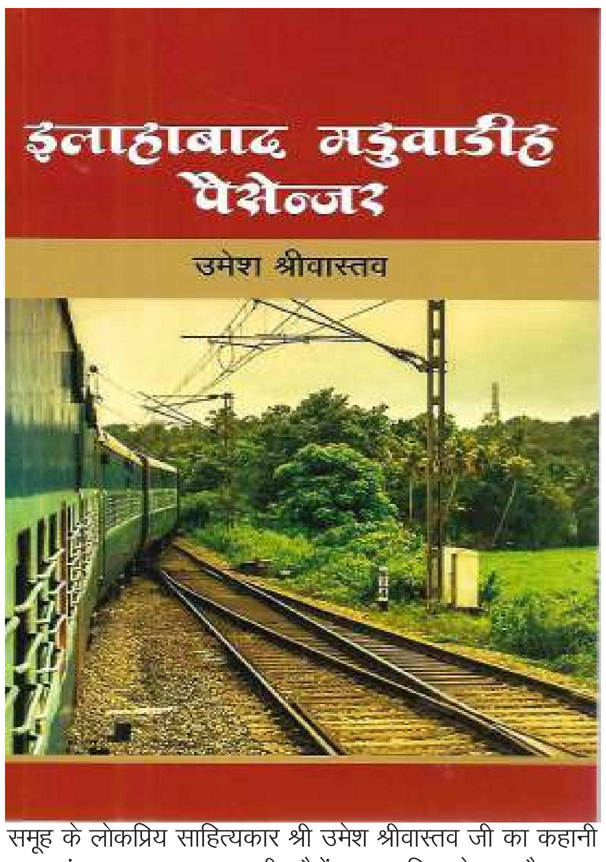

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

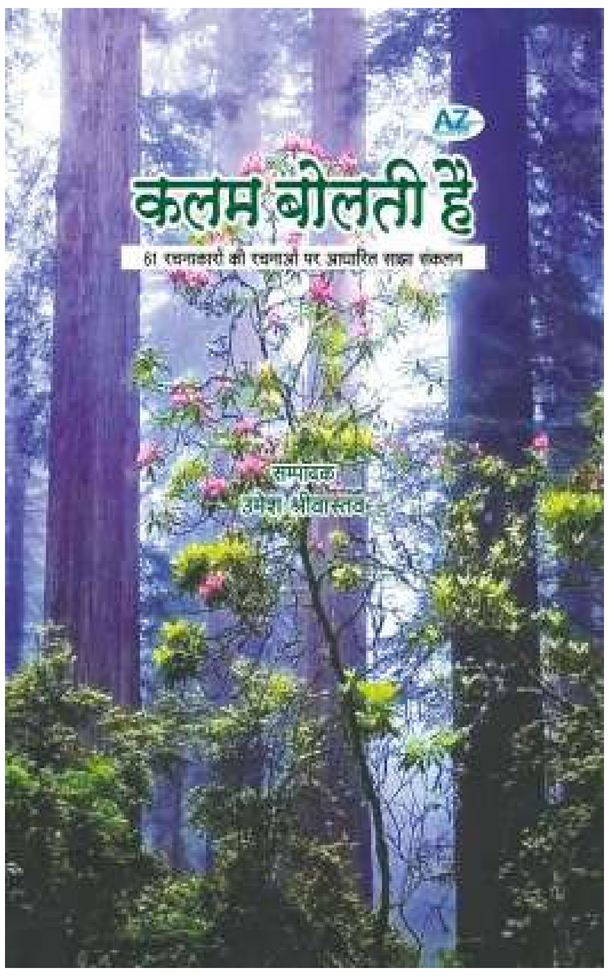

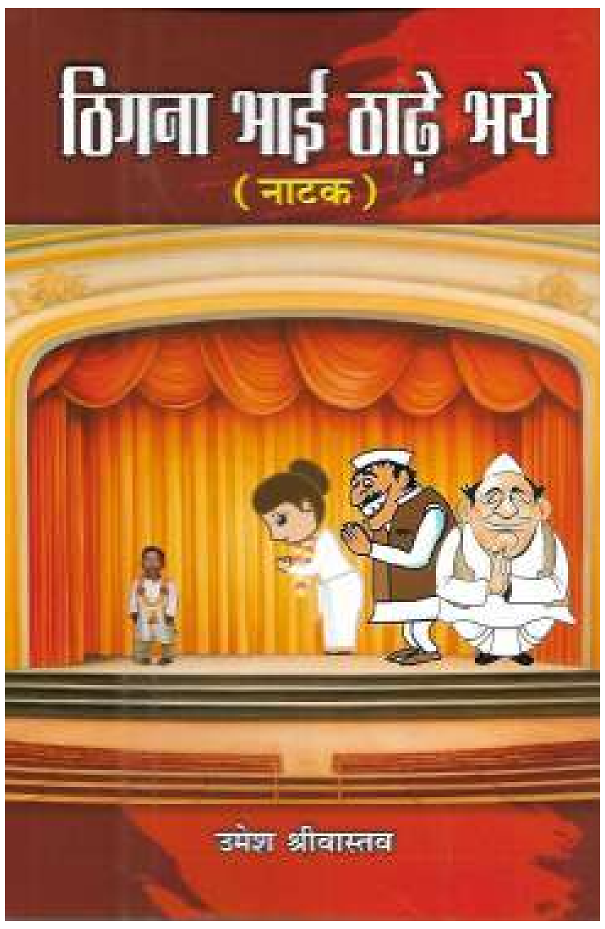

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान को लेकर भारतीय दूतावास की सख्त एडवाइजरी, जब तक एकदम जरूर न हो यात्रा न करें

ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नया परामर्श जारी किया है, जिसमें भारतीय नागरिकों से ईरान की अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया गया है। दूतावास ने एक्स पर जारी अपने परामर्श में, उनसे क्षेत्र में बदलते हालात पर सावधानीपूर्वक विचार करने को कहा है। दूतावास ने ईरान में पहले से मौजूद लोगों से भी मध्य पूर्व क्षेत्र में नवीनतम घटनाक्रमों के प्रति सतर्क रहने को कहा है और कहा है कि

वे ईरान छोड़ने के लिए वाणिज्यिक उड़ानों और उपलब्ध नौका सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं।

परामर्श में क्या कहा गया है?

पिछले कई हफ़्तों में सुरक्षा संबंधी घटनाक्रमों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ईरान की गैर–ज़रूरी यात्रा करने से पहले मौजूदा स्थिति पर ध्यानपूर्वक विचार करें। उन्हें यह भी सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर नज़र रखें और भारतीय अधिकारियों द्वारा जारी नवीनतम परामर्शों का पालन करें। जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में हैं और वहाँ से जाने के इच्छुक हैं, वे अभी उपलब्ध व्यावसायिक उड़ान और नौका सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह परामर्श क्षेत्र में बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में जारी किया गया है, जो इज़राइल, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सैन्य तनातनी की श्रृंखला से और भी बढ़ गया है। पिछले महीने, इज़राइल ने 13 जून को ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू किया था, जिसमें नतांज़ और फोर्डो सहित ईरानी परमाणु और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। जवाब में, ईरान ने इज़राइली ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों से जवाबी कार्रवाई की। इज़राइल के समर्थन में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 22 जून को फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान स्थित प्रमुख ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले करके जवाबी कार्रवाई की। ईरानी सशस्त्र बलों ने जवाबी हमले शुरू किए, जिसमें इज़राइली कब्जे वाले क्षेत्रों में प्रमुख ठिकानों और कतर में अमेरिकी सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया।

पेंटागन ने लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड के 2,000 जवानों की तैनाती समाप्त की

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय 'पेंटागन' ने घोषणा की कि ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीतियों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए लॉस एंजिलिस में तैनात किए गए नेशनल गार्ड के 2,000 जवानों को वापस बुलाया जा रहा है। लॉस एंजिलिस में जून की शुरुआत से ही 'नेशनल गार्ड' के लगभग 4,000 जवान और 700 'मरीन' तैनात हैं। जिनमें से जवानों की संख्या आधी करने का निर्णय लिया गया है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जवानों को वापस क्यों बुलाया जा रहा है और शेष जवानों को कब तक तैनात रखा जाएगा। लॉस एंजिलिस में तैनात जवानों के प्रभारी शीर्ष सैन्य कमांडर ने जून के अंत में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से अनुरोध किया था कि उनमें से 200 जवानों को कैलिफोर्नियों के जंगलों में लगी आग को बुझाने के काम पर भेजा जाए। दरअसल कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने कहा था की आग पर काबू पाने के लिए नेशनल गार्ड के पास पर्याप्त जवान नहीं है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पारनेल ने मंगलवार को जवानों की तैनाती समाप्त करने के फैसले की घोषणा करते हुए कहा, ''हमारे सैनिकों का धन्यवाद, जिन्होंने मोर्चा संभाला। अब लॉस एंजिलिस में हालात नियंत्रण में हैं।'' ट्रंप द्वारा नेशनल गार्ड की तैनाती के विरोध में आठ जून को हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए था और उन्होंने एक प्रमुख राजमार्ग को जाम कर दिया था। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे थे।

गाजा पर इजराइल हमलों में 93 फलस्तीनी मारे गएः स्वास्थ्य अधिकारी

गाजा पट्टी पर मंगलवार को इजराइली हमलों में 90 से अधिक फलस्तीनी मारे गए, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अस्पतालों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शिफा अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी शाती शरणार्थी शिविर में हुए एक हमले में फलस्तीनी विधायिका के हमास सदस्य की मौत हो गई, साथ ही उसी इमारत में शरण लिए हुए एक पुरुष, एक महिला और उनके छह बच्चे भी मारे गए। हताहतों को इसी अस्पताल में लाया गया था। शिफा अस्पताल के अनुसार, सोमवार शाम गाजा शहर के तेल अल–हवा ज़िले में एक घर पर हुए हमले में एक परिवार के 19 सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में आठ महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। इसी जिले में विस्थापित लोगों के लिए बने एक शिविर पर हमले में एक पुरुष, एक महिला तथा उनके दो बच्चों की मौत हो गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार दोपहर एक दैनिक रिपोर्ट में कहा कि पिछले 24 घंटों में इजराइली हमलों में मारे गए 93 लोगों के शव गाजा के अस्पतालों में लाए गए हैं। इसके साथ ही 278 घायल भी अस्पतालों में लाये गए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

पाकिस्तान के पंजाब में मूसलाधार बारिश का कहर, पिछले 24 घंटे में नौ की मौत; 90 से ज्यादा घायल

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तेज बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। बात अगर पिछले 24 घंटे की करें तो भारी बारिश के कारण कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो पंजाब प्रांत के बहावलनगर में तीन बच्चों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हुए। ओकारा में दो किशोर, जिनमें एक लड़की भी शामिल है, की मौत हुई और 12 लोग घायल हुए। लाहौर में भी बारिश के कारण तीन मौतें हुईं और आठ लोग घायल हुए।

भारी बारिश के चलते प्रांत में तबाही

भक्कर जिले में एक व्यक्ति की मौत और तीन लोग घायल हुए। इसके अलावा, कई अन्य जिलों में भी बारिश के चलते जबरदस्त तबाही मची है। इनमें पाकपटन में तीन, सहिवाल में चार, फैसलाबाद और मुजफ्फरगढ़ में दो–दो, टोबा टेक सिंह में चार, कसूर में तीन, डेरा गाजी खान में दो, राजनपुर, सियालकोट और मियांवाली में एक–एक घायल होने की खबर है। हालांकि बारिश के कारण लाहौर में तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हो गया। बारिश का रिकॉर्ड भी मिला है, जिसमें लक्ष्मी चौक पर 31 मिमी, करतबा चौक पर 19 मिमी, और समनाबाद, फर्रुखाबाद, इकबाल टाउन जैसे इलाकों में 10 से 18.5 मिमी तक बारिश हुई।

पानी निकासी के काम में जुटे कर्मी

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लगातार हो रही बारिश के चलते कई जगहों पर पानी भर गया है। इसके बाद पानी निकासी के लिए जल और स्वच्छता प्राधिकरण की टीमों ने पूरे दिन सड़कों और अंडरपास से पानी निकालने का काम किया। वहीं, लाहौर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (एईएससीओ) के कई फीडर ट्रिप हो गए जिससे बिजली कटौती भी हुई। वहीं लाहौर के उप कमिश्नर सैयद मूसा रजा के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए एक रणनीति बनाई है। मशीनरी से लैस टीमें कम निचले इलाकों और मुख्य सड़कों से पानी निकालने में जुटी हैं।

इसके साथ ही प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और बिजली के खंभों और तारों से दूर रहें। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने भविष्यवाणी की है कि कई शहरों में भारी बारिश और बादल छाए रहेंगे, जिसमें लाहौर भी शामिल है। पीडीएमए ने नदियों और नहरों में बाढ़ का खतरा जताया है, खासकर निचले इलाकों में। मुर्री जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की भी संभावना बताई गई है।

लोगों को सावधानी बरतने की सलाह

इसके साथ ही पर्यटकों को सतर्क रहने और कमजोर इलाकों के लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। पीडीएमए के निदेशक जनरल इरफान अली कटिया ने स्थानीय प्रशासनों को चौकस रहने और आवश्यक कर्मचारियों तथा उपकरणों को हमेशा तैयार रखने का निर्देश दिया है।

क्या पाकिस्तान में होने वाला है सत्ता परिवर्तन ? राष्ट्रपति शासन लागू होने की अटकलें हुईं तेज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सियासी तूफान आने की चर्चाएं हैं। दरअसल ऐसी चर्चा है कि पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन हो सकता है और सिर्फ सत्ता ही नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन होने की भी आशंका जताई जा रही है। उच्च स्तरीय बैठकों ने इन चर्चाओं को तेज कर दिया है। मंगलवार को पीएम शहबाज शरीफ ने पहले राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और फिर सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, मंगलवार को पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से पीएम आवास में मुलाकात की। सेना प्रमुख से मुलाकात से पहले पीएम शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इसके बाद चर्चाएं तेज हो गई हैं कि सेना प्रमुख आसिम मुनीर, आसिफ अली जरदारी को हटाकर पाकिस्तान के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान में 27वां संविधान संशोधन हो सकता है। पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन की चर्चाएं सोशल मीडिया पर ज्यादा हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि पाकिस्तान में संसदीय व्यवस्था की जगह राष्ट्रपति शासन व्यवस्था लागू हो सकती है। हालांकि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इन चर्चाओं को अफवाह बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पीएम शहबाज शरीफ की मुलाकात के बाद ऐसी चर्चाएं शुरू हुईं। ख्वाजा आसिफ ने इस मुद्दे पर मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। जब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से संविधान में 27वें संशोधन की चर्चाओं पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि देश में राजनीतिक व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हो रहा है, लेकिन ये भी कहा कि संविधान संशोधन एक विधायी प्रक्रिया है और पूर्व के संविधान संशोधनों की तरह 27वां संशोधन भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और सेना प्रमुख की मुलाकात पर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इन मुलाकातों में कुछ भी असामान्य नहीं है और प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति और सेना प्रमुख सामान्य तौर पर हफ्ते में तीन बार मुलाकात करते हैं और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होती है। ख्वाजा आसिफ ने ये भी कहा कि श्फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। सेना प्रमुख पहले ही सेना में सर्वोच्च पद पर आसीन हैं और भारत के खिलाफ लड़ाई में उन्होंने काफी नाम कमाया है। उन्हें और किसी चीज की जरूरत नहीं है।

स्वैदा में हिंसक झड़पें, सेना और ड्रुज गुटों के बीच संघर्ष विराम टूटा; इस्राइल ने सीरिया को दी धमकी

दमिश्क। सीरिया के दक्षिणी स्वैदा प्रांत में एक बार फिर हिंसक झड़पें हुईं। इसके बाद सुरक्षा बलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक के मिलिशिया समूह के बीच हुआ संघर्ष विराम टूट गया। वहीं ड्रुजों पर हुए हमलों को लेकर इस्राइल ने कड़ी चेतावनी दी है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने मिलिशिया पर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सैन्य बल स्वैदा शहर के अंदर आग के स्रोत पर कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। जबकि निवासियों की सुरक्षा, नुकसान को रोकने और शहर छोड़कर चले गए लोगों की सुरक्षित घर वापसी कराई जा रही है।

भिखारियों के विवाद में क्यूबा की मंत्री की छिन गई कुर्सी, भारी विरोध के बाद देना पड़ा इस्तीफा

हवाना। क्यूबा में श्रम मंत्री ने भिखारियों को लेकर ऐसा बयान दे दिया कि पूरे देश में इसे लेकर हंगामा हो गया और आखिरकार मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। क्यूबा के राष्ट्रपति ने भी बयान की आलोचना की। विरोध इतना ज्यादा था कि राष्ट्रपति को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रम मंत्री के इस्तीफे की जानकारी देनी पड़ी। दरअसल श्रम मंत्री मार्ता एलेना फीतो केबरेरा ने अपने बयान में कहा कि देश में कोई भिखारी नहीं है और लोग सिर्फ भिखारी होने का दिखावा करते हैं। मार्ता एलेना फीतो केबरेरा ने सोमवार को नेशनल असेंबली समिति के सामने कहा कि श्हमने लोगों को देखा है, जो भिखारी होते हैं, लेकिन अगर आप उनके हाथ या उनके कपड़े देखें तो ऐसा लगता है कि वे भिखारी होने का दिखावा कर रहे हैं। वे असल में भिखारी नहीं हैं। क्यूबा में कोई भी भिखारी नहीं है।श उन्होंने ये भी दावा किया कि लोग भीख मांगकर शराब पीते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।